मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शुक्रवार, 21 अगस्त 2026

संवत 2083, श्रावण शुक्ल 9 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 338 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ खाने-पीने की वस्तुओं में जहरीले पदार्थ बन रहे जिंदगी के लिए खतरा

पीवी सिंधु बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप से बाहर चीन की तीसरी सीड वांग झी यी ने हराया ◂◂ 6

सर्वर ठप : झारखंड के 42 रजिस्ट्री कार्यालयों में जमीन की रजिस्ट्री बंद

संवाददाता

रांची : झारखंड के रजिस्ट्री कार्यालयों में पिछले कई दिनों से सर्वर में तकनीकी खराबी के कारण निबंधन (रजिस्ट्री) का काम पूरी तरह ठप हो गया है। सर्वर ठप होने से राज्य के सभी 42 रजिस्ट्री कार्यालयों में जमीन और संपत्ति की रजिस्ट्री से जुड़े काम प्रभावित हैं।

सर्वर की खराबी के कारण जहां आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं सरकारी राजस्व पर भी इसका सीधा असर पड़ रहा है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि सर्वर कब तक दुरुस्त होगा, इसे लेकर आवेदकों को स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पा रही है।

रजिस्ट्री कराने पहुंचे लोग लौटना रहे खाली हाथ: जमीन की खरीद-बिक्री और अन्य संपत्ति संबंधी दस्तावेजों के निबंधन के लिए लोग रजिस्ट्री कार्यालय पहुंच रहे हैं, लेकिन तकनीकी समस्या के कारण उनका काम नहीं हो पा रहा है। बड़ी संख्या में रजिस्ट्री आवेदन लंबित हो गए हैं। आवेदकों को कई बार कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

ऑनलाइन सेवाएं भी प्रभावित: सर्वर की समस्या का असर केवल जमीन की रजिस्ट्री तक सीमित नहीं है। जमीन से जुड़े अन्य ऑनलाइन कार्यों पर भी इसका प्रभाव पड़ा है। आवेदन जमा करने से लेकर उनके निष्पादन तक की प्रक्रिया बाधित है। इससे लोगों की परेशानी और बढ़ गई है।

रोजाना करोड़ों के राजस्व का नुकसान: बता दें कि सामान्य दिनों में रजिस्ट्री कार्यालयों में प्रतिदिन करीब 700 से 900 रजिस्ट्री होती है। इससे सरकार को रोजाना करीब 3 करोड़ से 5 करोड़ रुपये तक स्टांप शुल्क और अन्य राजस्व प्राप्त होता है। कई दिनों से व्यवस्था बाधित रहने के कारण राजस्व संग्रह पर भी इसका असर पड़ रहा है

झारखंड विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी ई-मेल मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद शुक्रवार को सुरक्षा एजेंसियों में विधानसभा परिसर में गहन सर्च अभियान चलाया। विधानसभा के एक पदाधिकारी को धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद तत्काल पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को इसकी सूचना दी गई। इसके बाद झारखंड जगुआर के बम डिस्पोजल एंड डिटेक्शन स्क्वॉड को विधानसभा परिसर में भेजा गया।

सूचना मिलते ही बीडीडीएस टीम ने विधानसभा परिसर के विभिन्न हिस्सों की गहन तलाशी ली। टीम ने परिसर में मौजूद भवनों, आसपास के क्षेत्रों और संवेदनशील स्थानों की जांच की।

हालांकि तलाशी अभियान के दौरान किसी भी तरह की संदिग्ध या आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई। सर्च ऑपरेशन के बाद सुरक्षा अधिकारियों ने विधानसभा परिसर की सुरक्षा व्यवस्था की भी समीक्षा की।

विधानसभा में प्रवेश और निकास व्यवस्था के साथ ही अन्य सुरक्षा मानकों की जांच की गई। सुरक्षा एजेंसियों ने परिसर में अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। धमकी भरा ई-मेल मिलने के मामले में झारखंड विधानसभा के एक पदाधिकारी की ओर से रांची के विधानसभा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर ई-मेल की जांच शुरू कर दी है।

जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि धमकी वाला ई-मेल किस स्थान और किस डिजिटल माध्यम से भेजा गया। ई-मेल के तकनीकी विवरण, भेजने वाले के डिजिटल फुटप्रिंट और अन्य उपलब्ध जानकारी की जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि धमकी के पीछे किसी व्यक्ति या समूह का हाथ है या यह महज दहशत फैलाने की कोशिश है।

गौरतलब है कि पिछले करीब छह महीनों में रांची के कई महत्वपूर्ण सरकारी और सार्वजनिक संस्थानों को इसी तरह की बम धमकी मिल चुकी है। रांची कलेक्ट्रेट, सिविल कोर्ट और पासपोर्ट कार्यालय को भी बम से उड़ाने की धमकियां दी जा चुकी हैं। इन घटनाओं के बाद संबंधित परिसरों में सुरक्षा एजेंसियों ने तलाशी अभियान चलाए थे। लगातार महत्वपूर्ण सरकारी और सार्वजनिक संस्थानों को धमकी मिलने के कारण सुरक्षा एजेंसियां इन घटनाओं के बीच किसी संभावित कड़ी की भी जांच कर रही हैं। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या इन सभी धमकियों के पीछे एक ही व्यक्ति या समूह हो सकता है अथवा अलग-अलग लोगों द्वारा इस तरह के ई-मेल भेजे जा रहे हैं।

झारखंड हाईकोर्ट का फैसला

जेएसएससी- सीजीएल व सीडीपीओ परीक्षा रद्द करने के आदेश पर रोक

मामले की अगली सुनवाई 15 सितंबर को

संवाददाता

रांचीः झारखंड सरकार द्वारा परीक्षाओं और नियुक्तियों को रद्द करने संबंधी जारी अधिसूचना को चुनौती देने वाली चार अलग-अलग याचिकाओं पर शुक्रवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। जेएसएससी- सीजीएल समेत सीडीपीओ एफआरओ और एफएसओ परीक्षाओं को रद्द करने के राज्य सरकार के फैसले के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए झारखंड हाईकोर्ट ने सरकार के परीक्षा रद्द करने के आदेश पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति दीपक रोशन की अदालत ने जेएसएससी- सीजीएल व सीडीपीओ परीक्षा का विज्ञापन रद्द करने के राज्य सरकार के आदेश पर रोक लगा दी है। मामले की अगली सुनवाई 15 सितंबर को होगी।

सीडीपीओ तथा जेएसएससी- सीजीएल जेसे जुड़ी याचिकाओं पर हुई सुनवाई : याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा, अमृतांश वत्स और पीएएस पति ने अदालत में पक्ष रखा। याचिकाओं के जरिए राज्य सरकार द्वारा सीडीपीओ(बाल विकास परियोजना पदाधिकारी) परीक्षा का विज्ञापन रद्द किए जाने के फैसले को चुनौती दी गई है। इसके साथ ही जेएसएससी- सीजीएल परीक्षा और उससे संबंधित नियुक्तियों को रद्द करने के आदेश के खिलाफ भी याचिका दाखिल की गई है।

जेपीएससी परीक्षाओं पर सरकार से जवाबः कुछ याचिकाकर्ताओं ने जेपीएससी की 11वीं से 13वीं सिविल सेवा परीक्षा तथा फूड सेफ्टी ऑफिसर की नियुक्तियों को रद्द करने के सरकार के फैसले को भी चुनौती दी है। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने सीडीपीओ और जेएसएससी की 11वीं से 13वीं परीक्षा को रद्द करने के मामले में राज्य सरकार और जेपीएससी से जवाब मांगा है।

सीआईडी जांच के बाद परीक्षाएं रद्द, अनियमितताओं की जांच : दरअसल, सीबीआईजांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर राज्य सरकार ने 18 अगस्त की देर रात उन परीक्षाओं को रद्द करने का निर्णय लिया था, जिनमें टीडीपीएल की भूमिका सामने आई थी। साथ ही वर्ष 2014 के बाद आयोजित सभी नियुक्ति परीक्षाओं में संभावित अनियमितताओं की जांच कराने की घोषणा भी की गई थी।

22 परीक्षाएं रद्द, 6 स्थगित और 17 जांच के दायरे में : इसके बाद कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग की ओर से परीक्षा रद्द करने, कुछ परीक्षाओं की प्रक्रिया स्थगित करने और अन्य परीक्षाओं को जांच के दायरे में लाने से संबंधित अधिसूचना जारी की गई।अधिसूचना के अनुसार 22 परीक्षाएं रद्द की गई हैं, जबकि 6 परीक्षाओं की प्रक्रिया स्थगित की गई है। वहीं 17 परीक्षाओं को जांच के दायरे में रखा गया है।

संसद मार्ग थाने के बाहर धरने पर बैठे राहुल गांधी, एफआईआर दर्ज करने की मांग

प्रियंका भी पहुंची, सीजेपी प्रोटेस्ट में घायल प्रदर्शनकारी को लेकर पहुंचे

नई दिल्लीः कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पैलेट गन पीड़ित के मामले में प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग को लेकर दिल्ली के मध्य जिला के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) कार्यालय के बाहर शुक्रवार को धरने पर बैठ गए। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार पीड़ित साहिल लोचव ने 14 अगस्त को अपने वकीलों के साथ दिल्ली पुलिस को लिखित शिकायत दी थी लेकिन पुलिस ने शिकायत का आईओ नंबर देने से इनकार कर दिया। इसके बाद 17 अगस्त को ईमेल और फोन के माध्यम से भी शिकायत पर कार्रवाई की मांग की गई, लेकिन शिकायत की पावती तक नहीं दी गई।

श्री गांधी का आरोप है कि मामला संज्ञेय अपराध से जुड़ा होने के बावजूद पुलिस ने अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं की है। इसी मामले में पीड़ित के साथ श्री गांधी पहले मंदिर मार्ग पुलिस थाने पहुंचे और बाद में डीसीपी कार्यालय पहुंचे। कांग्रेस सूत्रों ने कहा है कि पुलिस की ओर से प्राथमिकी दर्ज न किए जाने के विरोध में श्री गांधी डीसीपी कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए हैं और मामले में प्राथमिकी दर्ज होने तक वहां से नहीं जाने पर अड़े हैं।

हवा में बेकाबू होकर क्रैश हुआ चार्टर प्लेन पायलट समेत सभी 8 लोगों की मौत की आशंका

एंकोरेज : अमेरिका के अलास्का राज्य में आसमान में उड़ता एक चार्टर प्लेन अचानक बेकाबू होकर जमींदोज हो गया। इस भयंकर क्रैश के बाद विमान में सवार चालक दल समेत सभी 8 लोगों की मौत की आशंका जताई जा रही है। हादसे की खबर मिलते ही रेस्क्यू टीमों ने बड़े स्तर पर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है, लेकिन अब तक किसी भी यात्री या पायलट का कोई सुराग नहीं मिल सका है।

एंकोरेज से भरी थी उड़ान, अचानक रडार से हुआ गायबः जानकारी के अनुसार, इस बदनसीब चार्टर प्लेन ने अलास्का के एंकोरेज से अपनी उड़ान भरी थी, लेकिन केप नेवेनहैम के पास पहुंचते ही यह अचानक भयानक दुर्घटना का शिकार हो गया। अलास्का के नेशनल ट्रांसपोर्ट सेफ्टी बोर्ड के अध्यक्ष क्लिंट जॉनसन ने इस दिल दहला देने वाली घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि विमान में दो पायलट और 6 यात्री सफर कर रहे थे। अलास्का रेस्क्यू कोऑर्डिनेशन सेंटर की टीम तुरंत हरकत में आ गई है और तलाशी अभियान युद्ध स्तर पर जारी है। फिलहाल जांच एजेंसियां मलबे की तलाश और हादसे के असल कारणों का पता लगाने में जुटी हुई हैं।

ब्रिटेन में भी पसरा था मातम, भारतीय मूल के पति-पत्नी ने गंवाई जानः अलास्का की यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब महज दो दिन पहले ही ब्रिटेन के नॉर्थ वेल्स के एक दूर-दराज इलाके में भी ऐसी ही दर्दनाक विमान दुर्घटना घटी थी। वहां एक छोटे विमान के क्रैश होने से भारतीय मूल के एक 50-55 वर्षीय दंपति की जान चली गई थी। मृतकों की पहचान केतन स्वाली और उनकी पत्नी शीतल के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि लीसेस्टर स्थित एक इंजीनियरिंग कंपनी के पूर्व निदेशक केतन स्वाली खुद इस पाइपर पीए28 विमान में पायलट की भूमिका निभा रहे थे।

जंगल के दुर्गम इलाके में मिला था मलबा, जांच शुरूः इस ब्रिटिश विमान ने इंग्लैंड के वेस्ट मिडलैंड्स स्थित टैटनहिल हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी, लेकिन यह अपने तय समय पर स्नोडोनिया के कार्नरफोन हवाई अड्डे पर लैंड नहीं कर सका। नॉर्थ वेल्स पुलिस के मुताबिक, सूचना मिलते ही कई एजेंसियों ने मिलकर हवा और जमीन दोनों स्तर पर एक बड़ा तलाशी अभियान चलाया था। काफी मशक्कत के बाद विमान का मलबा ट्रॉसफिनिड के पास एक दुर्गम जंगली इलाके में बरामद हुआ। बचाव दल जब वहां पहुंचा, तो दोनों पति-पत्नी को घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया। एयर एक्सीडेंट्स इन्वेस्टिगेशन ब्रांच ने इस पूरे मामले की गहन जांच के लिए अपनी एक विशेष टीम तैनात कर दी है।

वृंदावन के निर्माणाधीन मॉल में भरभराकर गिरी शटरिंग, मलबे में दबकर 3 मजदूरों की दर्दनाक मौत

वृंदावन : उत्तर प्रदेश में कान्हा की नगरी वृंदावन से शुक्रवार की सुबह एक बेहद दर्दनाक और दिल दहला देने वाली खबर सामने आई। यहां रुकमणि विहार के पास बन रहे ओमैक्स मॉल की कंस्ट्रक्शन साइट पर अचानक मौत ने दस्तक दी। विशालकाय शटरिंग टूटकर गिरने से साइट पर काम कर रहे तीन मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहा है। इस खौफनाक मंजर के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और भारी पुलिस बल के साथ आला अधिकारियों को राहत कार्य के लिए दौड़ना पड़ा।

सुबह 7 बजे अचानक भरभराकर गिरा ढांचा, मची अफरातफरीः जानकारी के अनुसार, ओमैक्स द्वारा बनाए जा रहे इस मॉल में पिछले तीन साल से निर्माण कार्य चल रहा है। शुक्रवार सुबह करीब सात बजे मजदूर अपने रोजमर्रा के शटरिंग के काम में जुटे हुए थे। इसी दौरान अचानक शटरिंग का एक बड़ा हिस्सा भरभरा कर नीचे आ गिरा। हादसा इतना अचानक हुआ कि मजदूरों को संभलने या भागने का कोई मौका ही नहीं मिला। भारी मलबे के नीचे चार मजदूर बुरी तरह दब गए। साइट पर मौजूद अन्य कर्मचारियों ने आनन-फानन में बचाव कार्य शुरू किया और उन्हें बाहर निकाला, लेकिन तब तक एक मजदूर ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था। बाकी घायलों को तुरंत सौ शैय्या अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने दो और मजदूरों को मृत घोषित कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला: बदले न्यायिक सेवा में प्रवेश के नियम

अब एक साल वकालत कर भी बन सकेंगे जज

नई दिल्ली (एजेंसी) : न्यायिक सेवा में प्रवेश से जुड़े एक महत्वपूर्ण फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने वकालत की प्रैक्टिस को अनिवार्य शर्त बनाए रखने के अपने फैसले को बरकरार रखा है। हालांकि, कोर्ट ने बार में जरूरी प्रैक्टिस की अवधि तीन साल से घटाकर एक साल कर दी है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने एक और शर्त लगाई है। इसके तहत न्यायिक सेवा परीक्षा में सफल होने वाले उम्मीदवारों को एक साल का गहन प्रशिक्षण राज्य न्यायिक अकादमी में लेना होगा। इसके बाद छह महीने जिला न्यायाधीश/उच्चतर न्यायिक सेवा के अधिकारी के साथ क्लर्कशिप और छह महीने किसी मौजूदा हाईकोर्ट जज के साथ क्लर्कशिप करनी होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने किए क्या बदलाव? : सुप्रीम कोर्ट ने संक्रमण अवधि के संबंध में भी महत्वपूर्ण छूट दी है, जो 31 मार्च 2027 तक लागू रहेगी। अदालत ने कहा, "निर्देश यह है कि तीन साल की प्रैक्टिस की आवश्यकता के बावजूद सभी कानून स्नातक आवेदन करने के पात्र होंगे। इस तथ्य को देखते हुए कि समीक्षा के तहत फैसले को सुनाए जाने के बाद एक साल से अधिक समय बीत चुका है। ऐसे उम्मीदवारों को आवेदन के लिए एक साल की सक्रिय प्रैक्टिस पूरी कर लेने वाला माना जाएगा और उन्हें इस अवधि के लिए प्रैक्टिस का प्रमाणपत्र देने की जरूरत नहीं होगी।"

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में खुली अदालत में उन समीक्षा याचिकाओं पर सुनवाई की थी, जिनमें न्यायिक सेवा में प्रवेश के लिए न्यूनतम तीन साल की कानूनी प्रैक्टिस अनिवार्य करने वाले उसके फैसले को चुनौती दी गई थी।

सीजेआई सूर्यकांत ने की थी क्या टिप्पणी? : अदालत ने कहा था कि तीन साल की प्रैक्टिस की शर्त कानून की पढ़ाई पूरी करने वाले युवाओं के लिए एक खाली अवधि पैदा करती है। इससे प्रतिभाशाली उम्मीदवार कानून की पढ़ाई पूरी करने के तुरंत बाद न्यायिक सेवा को करियर के विकल्प के रूप में चुनने से हतोत्साहित हो सकते हैं। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, "इसमें कोई संदेह नहीं है कि प्रैक्टिस महत्वपूर्ण है, लेकिन हमें युवा प्रतिभाओं पर इसके प्रभाव को भी देखना होगा। हम इसे इस तरह कैसे लागू करें कि इससे प्रतिभाशाली उम्मीदवार वंचित न हों? आज कानून की पढ़ाई पूरी करने वाला नया स्नातक पात्र नहीं है।" महिला उम्मीदवारों के सामने आने वाली सामाजिक परिस्थितियों को लेकर भी सीजेआई ने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि इस शर्त का असर महिला न्यायिक अधिकारियों की तैयारी कर रही उम्मीदवारों पर ज्यादा पड़ सकता है। उन्होंने कहा, "लड़कियां वास्तव में परेशान हैं। लड़कियां हमारी प्रतिभा की क्षमता हैं।" उन्होंने कहा कि परिवार और समाज के दबाव, शादी और स्थान बदलने जैसी परिस्थितियों के कारण कई महिलाएं जरूरी वर्षों की प्रैक्टिस पूरी नहीं कर पाएं, ऐसी आशंका है।

2025 में दाखिल हुई थीं कई याचिकाएं: समीक्षा याचिकाओं में सुप्रीम कोर्ट के मई 2025 के उस फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसमें प्रवेश स्तर के न्यायिक पदों के लिए वकील के तौर पर कम से कम तीन साल की प्रैक्टिस को अनिवार्य किया गया था। उस फैसले में 2002 से पहले की व्यवस्था को बहाल किया गया था। कोर्ट ने माना था कि ट्रायल कोर्ट के जजों में क्षमता और परिपक्वता सुनिश्चित करने के लिए अदालत में पहले का अनुभव जरूरी है।

न्यूज IN ब्रीफ

एस सुब्बाराज ने सेल-सेट, रांची के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर का पद संभाला

रांची : एस सुब्बाराज, जो पहले दुगार्पुर के एलॉय स्टील प्लांट में एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर थे, ने कल शाम सेल-सेट, रांची के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर का पद संभाला। एस। सुब्बाराज ने आईआईटी। दिल्ली से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीटेक। किया है और उनके पास स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के साथ 36 वर्षों से अधिक का शानदार अनुभव है। उन्होंने 1990 में बोकारो स्टील प्लांट में मैनेजमेंट ट्रेनी (टेक्निकल) के तौर पर रअक्छ जॉइन किया और तब से बोकारो स्टील प्लांट, एलॉय स्टील्स प्लांट और सेल के कॉर्पोरेट ऑफिस में कई अहम जिम्मेदारियां निभाई हैं। अपने लंबे करियर के दौरान, उन्होंने स्टील मेल्टिंग शॉप्स, ब्लास्ट फर्नेस, प्रोडक्शन प्लानिंग, लॉजिस्टिक्स, कोल प्लानिंग और डिस्ट्रीब्यूशन, सेफ्टी, एनवायरनमेंट मैनेजमेंट, प्रोजेक्ट्स, आर एंड डी। और मैटेरियल्स मैनेजमेंट जैसे कई अलग-अलग क्षेत्रों में काम किया है। उन्होंने सेल के डायरेक्टर (टेक्निकल) के टेक्निकल एडवाइजर के तौर पर भी काम किया और 2007 में ऑर्गनाइजेशन के मॉडर्नाइजेशन और एक्सपेंशन प्रोग्राम को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। 2019 से, श्री सुब्बाराज दुगार्पुर के एलॉय स्टील्स प्लांट के चीफ एग्जीक्यूटिव के तौर पर काम कर रहे हैं और प्लांट को स्ट्रैटेजिक और ऑपरेशनल लीडरशिप दे रहे हैं। सुब्बाराज ने एचईसी पेरिस में सीनियर मैनेजमेंट प्रोग्राम में हिस्सा लिया है और विदेशों में एडवांस्ड स्टीलमेकिंग फैसिलिटीज के दौरों और प्रोफेशनल कामों के जरिए इंटरनेशनल अनुभव हासिल किया है।

डब्ल्यूआईसीसीआई ने थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए आयोजित किया मैजिक शो

रांचीः डब्ल्यूआईसीसीआई की सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण परिषद की ओर से थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के खास मनोरंजन के लिए शानदार कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों के मनोरंजन के लिए मैजिक शो और संगीतमय कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। बच्चों ने कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया और अपनी खुशी का इजहार किया।

डब्ल्यूआईसीसीआई की अध्यक्ष अधिवक्ता सोनाली भट्टाचार्य ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाने के साथ समाज में बीमारी को लेकर फैले भेदभाव को दूर करना है। उन्होंने कहा कि नियमित रक्तदान को सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाने और लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करना है।

उपाध्यक्ष वीणा श्री ने कहा कि थैलेसीमिया पीड़ितों के साथ होने वाली सामाजिक प्रताड़ना को खत्म करने के लिए लगातार जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

कार्यक्रम में पराग भूषण ने बच्चों के लिए गीत प्रस्तुत किए। मुख्य अतिथि झारखंड राज्य क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय नाथ ने थैलेसीमिया पीड़ितों के सहयोग के लिए हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। मौके पर अरशद उबैद, साधना झा, प्रीति सिन्हा, रीता कुमारी, अनीता गुप्ता, आभा कुमारी, कंचन कौर, जया सरकार, पूजा बांका, शगुफ्ता यासमीन, पूनम सिंह, रीना सिंह, वजीद अली , अबया वर्मा, कामिनी वर्मा, संध्या सरकार, स्वाति, पल्लवी शर्मा, सोनी पाठक, शिव किशोर शर्मा, लहू बोलेगा के संस्थापक नदीम खान,पराग भूषण, बुलंद अख्तर, वसीम, नंदू राम समेत कई लोग मौजूद थे।

मुरहू में टला बड़ा हादसा, ट्रक से टकराई यात्रियों से भरी बस

खूंटी : जिले के मुरहू थाना क्षेत्र में शुक्रवार की सुबह एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। यात्रियों से भरी एक गायत्री बस सामने से आ रहे एक ऑटो को बचाने के प्रयास में सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराई। हादसे में बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि बस के खलासी को मामूली चोट लगी है। जानकारी के अनुसार, घटना सुबह करीब साढ़े पांच बजे मुरहू पेट्रोल पंप के पास नेशनल हाईवे-20 पर हुई। गायत्री नामक यात्री बस चाईबासा से रांची की ओर जा रही थी। इसी दौरान सामने से एक ऑटो आ रहा था। ऑटो को बचाने के प्रयास में बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल 108 एंबुलेंस सेवा को सूचना दी। एंबुलेंस के पहुंचने के बाद घायल खलासी को इलाज के लिए खूंटी सदर अस्पताल भेजा गया। घटना की सूचना मिलने पर मुरहू पुलिस भी मौके पर पहुंची और दुर्घटना की जानकारी ली। पुलिस ने मामले में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। गनीमत रही कि हादसे में किसी यात्री की जान नहीं गई और एक बड़ा हादसा टल गया।

अनियंत्रित पिकअप वैन ने तीन मोटरसाइकिलों को मारी टक्कर

बुंडू : पुराना गर्ल्स हाई स्कूल रोड बुंडू में शुक्रवार को तेज रफ्तार और अनियंत्रित पिकअप वैन के कारण बड़ा हादसा होते-होते टल गया। लकड़ी के फली से लदी पिकअप वैन ने पहले सड़क किनारे लगी स्ट्रीट लाइट को क्षतिग्रस्त किया और इसके बाद सड़क किनारे खड़ी दो मोटरसाइकिलों को टक्कर मार दी। वहीं, एक अपाचे मोटरसाइकिल वैन की चपेट में आकर उसके अंदर फंस गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पिकअप वैन रमेश सिंह मुंडा प्लस टू विद्यालय की ओर से तेज रफ्तार में आ रही थी। पूर्णेन्दु हाल्दार के घर के पास चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया। इसके बाद वैन स्ट्रीट लाइट को तोड़ते हुए मोटरसाइकिलों को अपनी चपेट में ले लिया। वैन के अंदर फंसी अपाचे मोटरसाइकिल को चालक करीब 500 मीटर तक घसीटते हुए बजरंग दल के पास ले गया। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाया, जिसके बाद पिकअप वैन का चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने पर बुंडू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों को जब्त कर थाना ले गई। हादसे में कई राहगीर बाल-बाल बच गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घूस लेते पकड़ा गया थाना प्रभारी, एसीबी ने की बड़ी कार्रवाई

रांचीः झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में एक थाने के प्रभारी अधिकारी को कथित तौर पर रिश्वत लेते समय भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एसीबी के पुलिस अधीक्षक श्रीराम सामद ने बताया कि एसीबी, जमशेदपुर की टीम ने जाल बिछाकर बंदगांव थाने के प्रभारी उपनिरीक्षक मनीष कुमार को शिकायतकर्ता से 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते समय गिरफ्तार किया। आरोपी अधिकारी ने थाने में दर्ज एक मामले में शिकायतकर्ता के पक्ष में काम करने के लिए रिश्वत की मांग की थी। शिकायतकर्ता ने हाल ही में एसीबी में शिकायत दर्ज कराई थी क्योंकि वह पुलिस अधिकारी द्वारा मांगी गई रिश्वत नहीं देना चाहता था।

जेएमएम की विस्तारित केंद्रीय समिति की बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने कहा

एमएमडीआर संशोधन के खिलाफ लड़ेंगे लोकतांत्रिक व कानूनी लड़ाई

एमएमडीआर संशोधन विधेयक-2026 के खिलाफ व्यापक आंदोलन की बनी रणनीति

संवाददाता

रांची : केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा मानसून सत्र के दौरान खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक-2026 (एमएमडीआर संशोधन विधेयक) पास कराया गया। अब इसके खिलाफ व्यापक आंदोलन की रणनीति बनाने के लिए राज्य की सत्तारूढ़ और सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) ने कमर कस ली है। इसके लिए रांची के सोहराय भवन में अपनी केंद्रीय समिति की विस्तारित बैठक हुई।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में आज हुई बैठक में झारखंड मुक्ति मोर्चा के सभी पदाधिकारी, सभी विधायक, झामुमो कोटे से सरकार में शामिल सभी मंत्री, सांसद के साथ-साथ सभी जिलों के जिलाध्यक्ष-जिला सचिव, महानगर अध्यक्ष, महानगर सचिव और जिला संयोजक शामिल हुए।

बैठक में एमएमडीआर संशोधन पर विस्तृत चर्चा और सर्वसम्मतिः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में झामुमो की विस्तारित केंद्रीय समिति की बैठक हुई। इसमें संसद से पारित खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक-2026 से झारखंड को होने वाले नुकसान को लेकर मुख्यमंत्री ने विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान सभी केंद्रीय समिति के सदस्यों की राय ली। बैठक के दौरान सभी पदाधिकारियों ने एक स्वर में केंद्र के इस संशोधन को काला कानून बताते हुए जोरदार आंदोलन करने की इच्छा जताई।

'झारखंड के विकास पर लगेगी ब्रेक, राज्यों से सलाह-मशविरा तक नहीं': झारखंड मुक्ति मोर्चा की केंद्रीय समिति की बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री और झामुमो सुप्रीमो हेमंत सोरेन ने कहा कि कई ज्वलंत मुद्दों पर आज की बैठक में चर्चा हुई, जिसमें से एक है खान-खनिज संशोधन कानून-2026 । इससे झारखंड को बहुत बड़ा नुकसान होने वाला है। उन्होंने कहा कि झारखंड हाल के वर्षों में बड़ी तेजी से अपने आपको विकसित राज्यों की ओर ले जाने की ओर अग्रसर हो रहा था। दुनिया के बड़े इकनॉमिक फोरम से लेकर नवाचार, अपनी नीतियों के माध्यम से राज्य की शिक्षा, स्वास्थ्य को बेहतर बनाने, रोजगार के अवसर पैदा करने, ग्रामीण और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कार्यक्रम चल रहा है, लेकिन इस काले कानून से राज्य को बड़ा आर्थिक नुकसान होगा, जिसका असर राज्य के विकास कार्यों पर

पड़ेगा।

मुख्यमंत्री और झामुमो के केंद्रीय अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने कहा कि एमएमडीआर कानून में संशोधन का बड़ा और प्रतिकूल असर राज्यों पर पड़ेगा, बावजूद इसके राज्यों के साथ चर्चा तक नहीं करना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के इस निर्णय का प्रतिकूल असर राज्य के आदिवासी, मूलवासी, दलित, पिछड़े, मजदूरों की जनकल्याणकारी योजनाओं पर पड़ेगा और तो और एक कानून में संशोधन के बाद हमारा केंद्र पर बकाया 1,36,000 करोड़ भी हाशिये पर चला जाएगा। यह केंद्र की सरकार ने इसलिए किया है ताकि झारखंड अपने पैरों पर खड़ा नहीं हो सके और कमजोर राज्य बना रहे।

लोकतांत्रिक, संवैधानिक और कानूनी लड़ाई लड़ेंगेः हेमंत सोरेन

मुख्यमंत्री और झामुमो के केंद्रीय अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने कहा कि हम अपने हक और अधिकार की लड़ाई लोकतांत्रिक, संवैधानिक और कानूनी तरीके से लड़ेंगे क्योंकि हमें ऐसा लगता है कि केंद्र सरकार विकसित राज्यों के प्रति और सक्षम लोगों के प्रति ज्यादा संवेदनशील है। आदिवासी, दलित, पिछड़े के प्रति इनकी कोई संवेदना नहीं है। हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड देश के विभिन्न सेक्टर के विकास को लेकर अहम भूमिका निभाता है, उसी राज्य का हक और अधिकार छीनकर अपनी जेबें भरने की कोशिश की गई है।

आनन-फानन में पास कराया गया संशोधनः महुआ माजी

झामुमो की राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने कहा कि आज की बैठक में सर्वसम्मति से सभी ने खान-खनिज संशोधन कानून के खिलाफ व्यापक जनांदोलन करने के विचार प्रकट किए। उन्होंने कहा कि आनन-फानन में संसद से केंद्र की मोदी सरकार ने इस कानून में संशोधन विधेयक लाया और बिना विस्तृत चर्चा के इसे पास करा लिया। राज्यसभा सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री के पास खान-खनिज संशोधन अधिनियम कानून को लेकर केंद्रीय मंत्रियों का भी फोन आया था।

जेपीएससी-जेएसएससी मामले पर महुआ माजी ने कहा,

सरकार द्वारा जेपीएससी-जेएसएससी के मामले में सरकार के निर्णय के बाद आज झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश पर प्रतिक्रिया देते हुए महुआ माजी ने कहा कि इस तरह के फैसले आने की संभावना पार्टी को थी। यही वजह है कि आंदोलित छात्रों की ज्यादातर मांगें सरकार ने मान ली थीं, लेकिन जो नौकरी कर रहे हैं उनकी सेवा समाप्त करने की बात नहीं मानी जा रही थी। लेकिन आंदोलित छात्रों के दबाव में यह फैसला सरकार को लेना पड़ा था। झामुमो की राज्यसभा सांसद ने माना कि सेवा समाप्त करने वाले सरकार के फैसले से कई लोगों के साथ नाइंसाफी हो रही थी।

राज्य में लागू नहीं होने देंगे संशोधित एमएमडीआर कानूनः विनोद पांडेय

झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि राज्य में झामुमो एमएमडीआर कानून लागू नहीं होने देंगे। झामुमो इस मामले को लेकर संवैधानिक, कानूनी और जमीनी लड़ाई लड़ेगा। एक-दो दिन में आंदोलन की रूपरेखा तय हो जाएगी। जब तक गांव-गांव जाकर हमारे कार्यकर्ता लोगों के बीच जागरूकता लाएंगे कि कैसे केंद्र ने झारखंड के साथ सौतेला व्यवहार करते हुए यह काला कानून पास कराया है। विनोद पांडेय ने कहा कि इसके अलावा बैठक में एसआईआर और परिसीमन को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में लोकसभा सांसद जोबा मांझी, विजय हांसदा, नलिन सोरेन, राज्यसभा सांसद महुआ माजी, बैद्यनाथ राम, हेमंत सरकार में मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, हफीजुल हसन अंसारी, विधायक कल्पना सोरेन, बसंत सोरेन, केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय, सुप्रियो भट्टाचार्या सहित कई नेता और विधायक शामिल हुए।

कोल इंडिया कंपनियों में कार्यरत लिपिकीय कर्मचारियों के सम्मान, अधिकार को लेकर बैठक

देवपाल मुंडा अध्यक्ष व दिनेश भुईया सचिव नियुक्त

संवाददाता

खलारी : डकरा कल्याण भवन हाल में गुरुवार को कोल इंडिया एवं उसकी सहायक कंपनियों में कार्यरत लिपिकीय कर्मचारियों के सम्मान, अधिकार को लेकर बैठक किया गया इस बैठक में एक महत्वपूर्ण पहल की गई उपस्थित लिपिकीय साथियों की सर्वसम्मति से कोल माइन्स स्टाफ एसोसिएशन ऑफ इंडिया नाम निर्धारित किया गया तथा संघ के गठन की प्रक्रिया प्रारंभ करते हुए केंद्रीय सह क्षेत्रीय कार्यकारिणी का गठन किया गया बैठक में केडीएच , रोहिणी, पूर्णडीह , चूरी, डकरा, सहित विभिन्न परियोजनाओं एवं जीएम यूनिट से आए लिपिकीय साथियों ने उत्साह एवं एकजुटता के साथ सहभागिता की। बैठक में उपस्थित लिपिकीय साथियों की सर्वसम्मति से निम्न पदाधिकारियों एवं कार्यकारी सदस्यों का चयन किया गया अध्यक्ष देवपाल मुंडा उपाध्यक्ष उदय सिंह, अनिल जैन संजीव कुमार सिंह सचिव दिनेश कुमार भुइयाँ सह-सचिव जगरनाथ महतो (रोहिणी), मनोज कुमार चौधरी, गोविन्द कुमार महतो कार्यकारी अध्यक्ष नरेश करमाली, मनोज कुमार (चूरी) संगठन सचिव संजीव कुमार, सरजू प्रसाद साहू

मीडिया प्रभारी विजय प्रताप सिंह, धीरेंद्र कुमार सिंह कार्यकारी सदस्य मयूर कुमार गंझू, चंदा देवी, मैरी रोज इक्का, पुष्पा देवी, ट्रेसा तिग्गा, मनोज कुमार, अमित पासवान, विक्रम ठाकुर, जितेंद्र कुमार राणा, ललिता कुमारी, दिव्या कुमारी, गुड़िया देवी, लुकदेव उरांव, महेश भुइयाँ, ममता कुमारी, कृतिका कुमारी, जाग्रनाथ भोगता सावित्री देवी, आशा एक्का, प्रतिमा देवी, लालन कुमार, उमेश कुमार यादव,अर्जुन ठाकुर, अभिषेक गुप्ता, आफताब आलम, अभिषेक ठाकुर, सुनील कुमार यादव, राणा गंझू, सुनील कुमार नायक, शिव नारायण उरांव, मोहन लाल कुकर, सुशील कुमार चौधरी, अनिल कुमार लोहार, आनंद कुमार एवं सैकड़ों लिपिकीय साथी संघ के अध्यक्ष देवपाल मुंडा ने कहा कि संगठन का उद्देश्य किसी व्यक्ति अथवा प्रबंधन के साथ टकराव उत्पन्न करना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक, संवैधानिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से लिपिकीय कर्मचारियों के सम्मान, अधिकार एवं न्यायपूर्ण हितों की आवाज को मजबूत करना है उन्होंने कहा कि लिपिकीय कर्मचारी संस्थान की प्रशासनिक व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। कार्यालयीन कार्यों, अभिलेखों, पत्राचार, कंप्यूटर आधारित कार्यों एवं विभिन्न प्रशासनिक प्रक्रियाओं में लिपिकीय कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। इसलिए उनके कार्य, अधिकार एवं समस्याओं को उचित मंच पर प्रभावी ढंग से रखने के लिए एक मजबूत संगठन की आवश्यकता है।

शिक्षक की कमी से परेशान छात्राओं ने घेरा ब्लॉक

संवाददाता

सतगावां (कोडरमा) : प्रखंड के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, पोखरडीहा में शिक्षकों की कमी की समस्या को लेकर छात्राओं का आक्रोश शुक्रवार को सड़क पर दिखा। बड़ी संख्या में छात्राएं शिक्षक उपलब्ध कराने की मांग को लेकर प्रखंड मुख्यालय प्रभारी बीडीओ सह सीओ मनोज कुमार रवि के समक्ष अपनी शिकायत लेकर पहंची और उन्होंने ब्लॉक का घेराव किया। इसी दौरान अचानक कई छात्राओं की तबीयत बिगड़ गई और वे बेहोश होकर गिर पड़ीं। छात्राओं के एक साथ बेहोश होने से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में बीमार छात्राओं को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

छात्राओं का कहना है कि विद्यालय में शिक्षकों की कमी के कारण पढ़ाई प्रभावित हो रही है। लंबे समय से शिक्षकों की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी समस्या के समाधान की मांग को लेकर छात्राएं शुक्रवार को प्रखंड मुख्यालय पहुंचीं। छात्राएं अपनी मांगों को लेकर ब्लॉक परिसर में प्रदर्शन कर रही थीं। इसी दौरान अचानक कुछ छात्राओं की तबीयत बिगड़ने लगी। देखते ही देखते कई छात्राएं बेहोश होकर गिर गई। इससे मौके पर मौजूद लोगों और प्रशासनिक अधिकारियों में अफरा-तफरी मच गई। बेहोश हुई छात्राओं को आनन-फानन में इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना के बाद विद्यालय की छात्राओं में आक्रोश का माहौल है।

स्वतंत्रता दिवस पर की थी शिकायतः बताया जाता है कि स्वतंत्रता दिवस के मौके पर छात्राओं ने प्रभारी बीडीओ सह सीओ मनोज कुमार रवि, थाना प्रभारी, जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि और अभिभावकों की मौजूदगी में विद्यालय की वार्डन प्रतीक्षा मिंज के खिलाफ शिकायत की थी।

बेजरा पुल का पिलर धंसा, मचा हड़कंप, धनबाद-जामताड़ा के बीच टूटा

संवाददाता

धनबाद : जामताड़ा और धनबाद जिले को जोड़ने वाले बेजरा पुल का एक पिलर धंस गया है। पुल के पिलर नंबर चार के धंसने की सूचना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पुल की स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने एहतियातन इस मार्ग पर आवागमन पूरी तरह बंद करा दिया है। पुल के क्षतिग्रस्त होने से दोनों जिलों के बीच सीधा संपर्क प्रभावित हुआ है।

स्थानीय ग्रामीणों ने पुल के आसपास लंबे समय से जारी बालू उठाव को पिलर के धंसने की प्रमुख वजह बताया है। ग्रामीणों का आरोप है कि नदी से लगातार बालू निकाले जाने के साथ-साथ बालू लदे भारी वाहनों की आवाजाही से पुल की नींव कमजोर हुई। लोगों का कहना है कि यदि लंबे समय से इस क्षेत्र में बालू का परिवहन जारी था, तो संबंधित विभागों की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है।

अधिकारियों ने किया निरीक्षणः पिलर धंसने की जानकारी मिलते ही प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण किया। पूर्वी टुंडी के अंचलाधिकारी सुरेश प्रसाद बर्नवाल और जामताड़ा के अंचलाधिकारी अभिश्वर मुर्मू ने पुल का जायजा लिया। इसके अलावा धनबाद के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर भी मौके पर पहुंचे और पुल की मौजूदा स्थिति का निरीक्षण किया।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, जुगुड़ी घाट से नाव के जरिए लगातार बालू निकाले जाने की शिकायत मिलती रही है। आरोप है कि पुल के आसपास बड़े पैमाने पर बालू हटाए जाने से नदी की प्राकृतिक सतह प्रभावित हुई, जिसका असर पुल के पिलर और उसकी नींव पर पड़ा। वहीं, बालू लदे ट्रैक्टर और हाईवा के लगातार गुजरने से पुल पर अतिरिक्त दबाव पड़ने की बात भी ग्रामीणों ने कही है। रास्ते को किया गया ब्लॉकः

अधिकारियों के अनुसार, पुल पहले से ही काफी क्षतिग्रस्त स्थिति में था। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर जेसीबी की मदद से रास्ते को तत्काल ब्लॉक कर दिया गया है, ताकि किसी तरह की दुर्घटना को रोका जा सके। प्रशासन का कहना है कि पिछले वर्ष भी पुल पर बैरिकेडिंग कर आवागमन रोकने का प्रयास किया गया था, लेकिन रात के समय असामाजिक तत्वों ने बैरिकेडिंग हटा दी थी। बालू के अवैध परिवहन के खिलाफ कार्रवाई के दौरान भी संबंधित लोगों के मौके से भाग जाने की बात सामने आई है। एनजीटी की पाबंदी के बावजूद क्षेत्र में कथित तौर पर जारी बालू उठाव और परिवहन ने खनन विभाग, परिवहन विभाग तथा स्थानीय प्रशासन की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते अवैध बालू उठाव पर रोक लगाई जाती और पुल की नियमित निगरानी होती, तो स्थिति इतनी गंभीर नहीं होती।

तकनीकी जांच कराने की तैयारीः पुल की वर्तमान स्थिति को देखते हुए प्रशासन की ओर से इसकी तकनीकी जांच कराने की तैयारी की जा रही है। निरीक्षण के बाद तैयार रिपोर्ट मुख्यालय भेजी जाएगी। साथ ही पिलर के आसपास बालू उठाव पर सख्ती से रोक लगाने की जरूरत बताई जा रही है।

प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर लोगों से बेजरा पुल का इस्तेमाल नहीं करने की अपील की है। धनबाद से जामताड़ा की ओर जाने वाले लोगों को फिलहाल कासजोड़ और करमदाहा होकर वैकल्पिक मार्ग का इस्तेमाल करने को कहा गया है।

बेजरा पुल के पिलर के धंसने की घटना ने एक बार फिर अवैध बालू खनन, भारी वाहनों की आवाजाही और महत्वपूर्ण पुलों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब सबसे बड़ी चुनौती पुल की तकनीकी स्थिति की विस्तृत जांच कराना और यह सुनिश्चित करना है कि जब तक पुल सुरक्षित घोषित न हो, तब तक इस मार्ग पर किसी भी तरह का जोखिम न लिया जाए।

हाईकोर्ट के जेएसएससी- सीजीएल व सीडीपीओ परीक्षा रद्द करने के आदेश पर रोक लगाते ही

झूमे अभ्यर्थी, गाया राष्ट्रगान जमीन चूमकर मनाया जश्न

मेट्रो रेज

रांची: जेपीएससी की परीक्षाएं और नियुक्तियां रद्द किये जाने के सरकार के आदेश के खिलाफ दायर अलग अलग याचिकाओं पर शुक्रवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने प्राथियों एवं सरकार के आदेश से प्रभावित अन्य नवनियुक्त अधिकारियों को बड़ी राहत देते हुए सरकार के आदेश पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट द्वारा सरकार के आदेश पर रोक लगाए जाने के आदेश से अदालत की शरण लेने वाले और सरकार के आदेश से प्रभावित होने वाले सभी नवनियुक्त अफसरों को बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट में 11 वीं से लेकर 13वीं जेपीएससी परीक्षा के जरिये अलग-अलग विभागों में चयनित हुए अफसरों ने याचिका दायर की है। इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस दीपक रौशन की कोर्ट में हुई। जिन प्रार्थियो ने अदालत की शरण ली है उसमें सुभाष मुर्मू, आशीष अक्षत, रवि कुमार हांसदा और आकांक्षा मिंज शामिल हैं।

प्रार्थियो की ओर से अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा, अमृतांश वत्स,अर्पण मिश्रा और अंकित विशाल पक्ष रखा। कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया है कि इस मामले की अंतिम सुनवाई में जो भी आदेश आएगा उससे नियुक्तियां प्रभावित होंगी। इस संबंध में अदालत ने सभी प्रभावित नवनियुक्त अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से शपथपत्र दायर करने का भी निर्देश दिया है। इस मामले में अदालत अब 15 सितंबर को अगली सुनवाई करेगा। तब तक सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

सरकार ने किया था परीक्षा रद्दः गौरतलब है कि सरकार ने बीते 18 अगस्त को सीआईडी जांच में मिले तथ्यों के आधार पर उन सभी परीक्षाओं को रद्द करने की घोषणा की थी, जिसमें परीक्षा एजेंसी टीडीपीएल शामिल रहा था। इसके अलावा साल 2014 से हुई सभी नियुक्ति परीक्षाओं में संभावित अनियमितता के मद्देनजर जांच कराने की घोषणा भी की गयी थी। इन घोषणाओं के मद्देनजर कार्मिक प्रशासनिक विभाग ने परीक्ष रद्द करने, परीक्षा प्रक्रिया स्थगित करने और जांच कराने से संबंधित अधिसूचना जारी की है। इसमें 22 परीक्षाओं को रद्द करने, 6 की प्रक्रिया को स्थगित करने और 17 परीक्षाओं को जांच के दायरे में शामिल करने का उल्लेख किया गया है।

नवनियुक्त अधिकारियों ने न्यायपालिका के प्रति जताया आभार

रांची : प्रोजेक्ट भवन के बाहर चार दिनों से अनवरत प्रदर्शन कर रहे नवनियुक्त अधिकारियों ने न्यायपालिका के प्रति आभार जताया। उनका कहना है कि वे मेरिट के आधार पर चयनित होकर पूरी निष्ठा से काम कर रहे थे। एकतरफा फैसले से उनके करियर पर जो संकट मंडरा रहा था, अदालत के आदेश ने उसे दूर कर दिया है। राष्ट्रगान के उद्घोष के साथ अभ्यर्थियों ने उम्मीद जताई कि आगे भी उनके अधिकारों की रक्षा होगी।

18 घंटे के सर्च ऑपरेशन के बाद विधानसभा कर्मी का शव बरामद

रांची : धुर्वा थाना क्षेत्र स्थित धुर्वा डैम में कथित तौर पर कूदकर आत्महत्या करने वाले झारखंड विधानसभा के कर्मी बुलंद अख्तर का शव 18 घंटे चले सर्च ऑपरेशन के बाद बरामद कर लिया गया। एनडीआरएफ की मदद से खोजे गए शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए रिम्स अस्पताल भेज दिया है।

घर से निकले थे, फिर नहीं लौटेः परिजनों के अनुसार, बुलंद अख्तर बुधवार को अपने घर से निकले थे। देर शाम तक उनके वापस नहीं आने पर परिवार के लोगों ने उनकी तलाश शुरू की। इसी दौरान धुर्वा डैम के पास उनका वाहन और अन्य सामान मिलने की जानकारी पुलिस को मिली। घटना की सूचना मिलने के बाद धुर्वा पुलिस मौके पर पहुंची थी और डैम के किनारे बरामद गाड़ी, चप्पल और बरसाती को जब्त कर लिया। इसके बाद एनडीआरएफ की टीम की मदद से डैम में लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया गया और करीब 18 घंटे की तलाश के बाद बुलंद अख्तर का शव बरामद हुआ। प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि बुलंद अख्तर ने डैम में छलांग लगाकर आत्महत्या की है। हालांकि पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और जांच पूरी होने के बाद मौत के कारणों को लेकर स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी

नामकुम अंचल दस्तावेज गायब मामला

हाईकोर्ट ने एसीबी को एफआईआर दर्ज करने का दिया आदेश

मेट्रो रेज

रांचीः झारखंड हाईकोर्ट ने नामकुम अंचल में जमीन की खरीद-बिक्री और राजस्व दस्तावेजों के गायब होने के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया है। अदालत ने एसीबी को आगामी 28 अगस्त को मामले में एफआईआर दर्ज किए जाने के संबंध में सीलबंद रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है।

मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति राजेश शंकर की अदालत में हुई। सुनवाई के दौरान एसीबी के सीनियर स्टैंडिंग काउंसिल सुमित गाड़ोदिया ने अदालत को बताया कि कैबिनेट सेक्रेटरी से अनुमति मिलने के बाद मामले में प्रारंभिक जांच (पीई) दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया है।

जांच में अधिकारियों-कर्मियों की भूमिका प्रथम दृष्टया सामने आईः एसीबी की प्रारंभिक जांच में नामकुम अंचल के कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों की संलिप्तता प्रथम दृष्टया सामने आने की बात अदालत को बताई गई। एसीबी का पक्ष सुनने के बाद हाईकोर्ट ने संबंधित दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया।

म्यूटेशन में गड़बड़ी का लगाया गया था आरोपः यह मामला नामकुम अंचल के डुंडु क्षेत्र में स्थित विवादित जमीन से जुड़ा है। प्रार्थी थॉमस साइमन ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर आरोप लगाया था कि अंचल कार्यालय में दाखिल-खारिज (म्यूटेशन) की प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं की गई हैं। जांच के लिए मूल राजस्व अभिलेख मांगे जाने के बावजूद उन्हें उपलब्ध नहीं कराया जा रहा था।

पूर्व की सुनवाई में भी अदालत के समक्ष यह मामला आया था कि अंचल कार्यालय दूसरे पक्ष के पक्ष में किए गए म्यूटेशन की प्रमाणित प्रति उपलब्ध कराने में लगातार टालमटोल कर रहा था।

हाईकोर्ट के आदेश का भी नहीं हुआ था अनुपालनः याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता जेजे सांगा ने अदालत के समक्ष पक्ष रखा। बताया गया कि हाईकोर्ट द्वारा पहले प्रार्थी के पक्ष में स्पष्ट आदेश दिए जाने के बावजूद अंचल अधिकारियों ने उसका अनुपालन नहीं किया।

सरकारी राजस्व रिकॉर्ड से जुड़ी इस तरह की अनियमितता को हाईकोर्ट ने प्रथम दृष्टया गंभीर माना था। इसके बाद पूरे मामले की जांच की जिम्मेदारी एसीबी को सौंपी गई। अब अदालत ने जांच में प्रथम दृष्टया सामने आई अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका के आधार पर एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है

ट्रैफिक नियम तोड़ने पर एक दिन में 3,199 वाहनों के कटे चालान

संवाददाता

रांची : राजधानी में ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में 20 अगस्त को ट्रैफिक पुलिस ने शहर के अलग-अलग इलाकों में अभियान चलाकर 3,199 वाहनों के चालान काटे। सबसे अधिक 1,441 चालान बिना हेलमेट बाइक और स्कूटी चलाने वालों के काटे गए।

वहीं सड़क पर गलत तरीके से पार्किंग या नो-पार्किंग में वाहन खड़ा करने पर 1,228 चालान किए गए। इसके अलावा तेज रफ्तार से वाहन चलाने पर 177, रेड लाइट तोड़ने पर 155, नो एंट्री

में वाहन चलाने पर 28 और गलत साइड ड्राइविंग के 26 चालान काटे गए। पिलियन राइडिंग पर 18, बिना ड्राइविंग लाइसेंस पर 18 और अतिरिक्त यात्री बैठाने पर 16 वाहनों के चालान कटे।

ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, 20 अगस्त तक चलाए गए अभियान में कुल 61,908 वाहनों के चालान काटे गए हैं। वहीं जुलाई महीने में ट्रैफिक पुलिस ने लगभग 1 लाख से ऊपर वाहनों के चालान काटे थे। हालांकि अगस्त के अभी 20 दिन ही बीते है और चालान की संख्या 60 हजार से ऊपर चली गई है।

ट्रैफिक पुलिस की ओर से लगातार आम जनता को ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अपील की जा रही है। साथ ही हर चौक-चौराहे पर लाउड स्पीकर की मदद से लोगों को ट्रैफिक नियम बताए जा रहे हैं। वाहन चालकों को हेलमेट और सीट बेल्ट का इस्तेमाल करने और सड़क पर वाहन पार्क करने से पहले नो-पार्किंग के नियमों का ध्यान रखने को कहा जा रहा है।

एबीडी की साख में सुधार, कारोबार की स्थिति मजबूत

रांचीः अलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स की साख रेटिंग दो पायदान बढ़ाकर स्थिर दृष्टिकोण के साथ ह्यआईएनडी एए-माइनसह्ल कर दी गई है। पहले कंपनी की रेटिंग आईएनडी ए थी। रेटिंग में सुधार बढ़ते कारोबार, बेहतर लाभप्रदता और प्रीमियम उत्पादों की ओर बढ़ते रुझान को दर्शाता है। कंपनी के प्रबंध निदेशक अमर सिन्हा ने कहा कि यह सुधार कंपनी की मजबूत होती वित्तीय स्थिति और कारोबार में लगातार सुधार को दशार्ता है।

जुलूस ए मोहम्मदी की सफलता के लिए मोरहाबादी में सुन्नी बरैलवी सेंट्रल कमिटी की बैठक

मेट्रो रेज

रांचीः आगामी 26 अगस्त को सुन्नी बरैलवी सेन्ट्रल कमिटी के तत्वाधान में रांची में निकाले जाने वाले जुलूस ए मोहम्मदी की सफलता के लिए मोरहाबादी रांची में मोरहाबादी मस्जिद के शाही इमाम मौलाना महबूब आलम हस्मती की अध्यक्षता में एक आवश्यक बैठक की गई जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सुन्नी बरैलवी सेंट्रल कमिटी के अध्यक्ष मौलाना डा।ताजुद्दीन रिजवी, महासचिव अकीलुर्रहमान, प्रवक्ता मो।इसलाम, उपाध्यक्ष आफताब आलम एवं इस्लामी मरकज के मोहतमिम कारी अय्यूब मुख्य रूप से भाग लिए। सुन्नी बरैलवी सेन्ट्रल कमिटी के

पदाधिकारियों ने बैठक को सम्बोधित करते हुए बड़गांई,खिजुर टोला, बरियातू, एदलहातू सहीत मोरहाबादी से शामिल प्रमुख प्रतिनिधियों को आपसी सौहार्द, एकता एवं भाईचारे के साथ जुलूस ए मोहम्मदी प्रत्येक क्षेत्र से निकाले जाने का आह्वान किया। अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में शाही मस्जिद मोरहाबादी के शाही इमाम मौलाना महबूब आलम हस्मती ने एकता एवं भाईचारे पर बल देते हुए सुन्नी बरैलवी सेंट्रल कमिटी द्वारा दिए गए दिशा-निर्देश के अनुसार प्रत्येक क्षेत्र से ज्यादा से ज्यादा संख्या में जुलूस में अनुशासित ढंग से शामिल होने की बात कही। मौलाना नसरुल्लह फैजी ने जुलूस की सफलता के लिए अपने - अपने क्षेत्रों में जन सम्पर्क चलाए जाने का आह्वान किया। बैठक में मौलाना डा ताजुद्दीन रिजवी, अकीलुर्रहमान,मो इसलाम, आफताब आलम,कारी अय्यूब, मौलाना महबूब आलम हस्मती, मौलाना नसरुल्लाह फैजी,शोएब खान,करीम खान,मो ऐनुल,मो।हबीब,दिलशेर खान,मो हन्नान,मो साबिर,मो हस्मत, अब्दुल अजीज,गुलाब खान,मो। अमजद,मो हबीबुल,मो। एहसान,मो आशिक, फिरोज खान,मो आजाद, मो सुहैल सहित अनेक गणमान्य लोग मुख्य रूप से बैठक में शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन शोएब खान ने किया एवं सामूहिक दुआ के बाद कार्यक्रम का समापन किया गया।

कांग्रेस नेताओं ने राजीव गांधी को दी श्रद्धांजलि

21वीं सदी के भारत के स्वप्नद्रष्टा थे राजीव गांधीः कमलेश महतो

मेट्रो रेज

रांचीः भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर रांची के धुर्वा स्थित राजीव गांधी वरिष्ठ नागरिक उद्यान में कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सह विधायक डॉ रामेश्वर उरांव, डॉ प्रदीप कुमार बलमुचू, प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष डॉ राजेश गुप्ता, महासचिव लाल किशोर नाथ शाहदेव, आलोक कुमार दूबे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

सूचना क्रांति और पंचायती राज के शिल्पकार थे राजीव गांधीः श्रद्धांजलि के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि राजीव गांधी 21वीं सदी के भारत के स्वप्नद्रष्टा थे। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने सूचना क्रांति, युवाओं की लोकतांत्रिक भागीदारी, मताधिकार की उम्र सीमा घटाने तथा पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी का व्यक्तित्व और कृतित्व आज भी देश को दिशा देने वाला है।

पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सह विधायक डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि राजीव गांधी आधुनिक सोच और दूरदर्शिता वाले नेता

थे। उन्होंने अपने समय से आगे की सोच रखते हुए भविष्य की जरूरतों को पहचाना। रोजगार, शिक्षा, तकनीक, महिला सशक्तिकरण, युवाओं की भागीदारी और ग्रामीण विकास को उन्होंने राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण आधार माना।

उन्होंने कहा कि जिस दौर में दुनिया तेजी से तकनीकी बदलाव की ओर बढ़ रही थी, उस समय राजीव गांधी ने भारत में कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने का साहसिक निर्णय लिया। आज सूचना तकनीक देश की अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण ताकत है और सर्विस सेक्टर में रोजगार के बड़े अवसर पैदा हुए हैं।

गांवों तक लोकतंत्र पहुंचाने पर दिया जोरः डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि राजीव गांधी लोकतंत्र को केवल संसद और विधानसभा तक सीमित नहीं रखना चाहते थे। उनकी सोच थी कि गांवों में भी जनता की अपनी सरकार होनी चाहिए। इसी विचार के तहत पंचायती राज व्यवस्था को मजबूती देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी का सपना आने वाली पीढ़ियों के भारत का सपना था और उनके विचारों को आगे बढ़ाना ही सच्ची श्रद्धांजलि है।

डॉ प्रदीप कुमार बलमुचू ने कहा कि राजीव गांधी ने देश के युवाओं को 21वीं सदी का सपना दिखाया और कंप्यूटर एवं तकनीक को विकास का आधार बनाया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण के महत्व पर भी जोर दिया।

युवाओं और तकनीक पर था भरोसाः प्रदेश कांग्रेस महासचिव आलोक कुमार दूबे ने कहा कि राजीव गांधी 20वीं सदी में जन्म लेकर 21वीं सदी का सपना देखने वाले दूरदर्शी नेता थे। उन्होंने छात्रों और युवाओं को आधुनिक भारत का सपना दिखाया। आज तकनीक और सोशल मीडिया के जरिए युवा अपनी आवाज देशभर तक पहुंचा पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी द्वारा रखी गई सूचना क्रांति की नींव का प्रभाव आज समाज के हर क्षेत्र में दिखाई देता है।

प्रदेश कांग्रेस महासचिव लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि राजीव गांधी बदलते भारत की नई दिशा के शिल्पकार थे। उन्होंने युवाओं की क्षमता और नई पीढ़ी पर भरोसा किया। सूचना प्रौद्योगिकी, दूरसंचार, शिक्षा और पंचायती राज के क्षेत्र में उनके फैसलों ने भारत को आने वाले दशकों के लिए तैयार किया।

प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष डॉ। राजेश गुप्ता छोटू ने कहा कि राजीव गांधी को आधुनिक भारत की नींव मजबूत करने वाले नेता के रूप में हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने युवाओं पर भरोसा किया, गांवों को मजबूत किया और सूचना क्रांति के माध्यम से देश को नई दिशा दी। कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं ने कहा कि आज देश की तकनीकी प्रगति, सूचना क्रांति, पंचायती राज और युवाओं की बढ़ती भागीदारी में राजीव गांधी की दूरदर्शी सोच की स्पष्ट छाप दिखाई देती है। उनके विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना और आधुनिक, लोकतांत्रिक एवं समावेशी भारत के निर्माण के लिए कार्य करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

Government of Jharkhand
Urban Development and Housing Department
Nagar Panchayat Bundu

e-Procurment Notice (Tenders Notice call), Short Notice

S. l.	Tender id	Name of work	Amount	Earnest Money	Tender Fee	Completion Of Work
1	UDD/NIT/BNP/CT/03/2026-27	Construction Of Community Toilet (5 Seater) In Rani Chunwa Under Nagar Panchayat Bundu, Jharkhand	20,03975.00	41000.00	10,000.00	90 Days
2	UDD/NIT/BNP/CT/04/2026-27	Construction Of Community Toilet (9 Seater) In Tempu Stand, Dhurwa More Under Nagar Panchayat Bundu, Jharkhand	28,11,391.00	56500.00	10,000.00	120 Days
5	Date Of Publication Of Tender On Website		21-08-2026 AT 10:00 AM			
6	Mode Of Submission Of Bids		E-Tendering .....http//:Jharkhandtenders.gov.In			
7	Date Start Of Submission Of Bids		21-08-2026 AT 10:00 AM			
8	Last Date/Time Of Submission Of Bids		07-09-2026 AT 02:00 PM			
9	Date Of Bid Opening		08-09-2026 AT 03:00 PM			
10	Last Date/Time Of Submission Cost of BOQ, Earnest Money And Tender Document		07-09-2026 AT 02:00 PM			
11	Name & Address Of Office Inviting Tender		NAGAR PANCHAYAT BUNDU			

NOTE :- Only E-Tender will be accepted. Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in& Notice Board office of the Nagar Panchayat Bundu.

PR 388037 Urban Development(26-27)#D

Executive Officer
Nagar Panchayat Bundu

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, रामगढ़

शुद्धि पत्र

इस कार्यालय के द्वारा प्रकाशित निविदा सूचना संख्या DWSD/RGH/10/2026-27 दिनांक 10.08.2026 (1st Call) जिसका PR No. 387180 Drinking Water and Sanitation(26-27)#D है जो Shifting of pipe line coming under Ramgarh- Dulmi - Chitarpur Part "B" Pipe water supply scheme from Matkama Chouk To Chutupalu at Ramgarh Block under DW&S Division Ramgarh for the year 2026-27. on Turn-Key Basis से संबंधित है, को निम्नलिखित रूप से संशोधित किया जाता है।

क्र0	विवरणी	पूर्व में प्रकाशित तिथि	संशोधित तिथि
1	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	17.08.2026 समय 05.00 बजे अपराहन् तक	21.08.2026 समय 05.00 बजे अपराहन् तक
2	निविदा प्राप्ति (ऑन लाईन बिडींग) की अन्तिम तिथि एवं समय	25.08.2026 समय 05.00 बजे अपराहन् तक	27.08.2026 समय 05.00 बजे अपराहन् तक
3	सरकार के सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेस, झारखण्ड मंत्रालय, के ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के आलोक में वित्तपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि Online जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	25.08.2026 समय 05.00 बजे अपराहन् तक	27.08.2026 समय 05.00 बजे अपराहन् तक
4	तकनीकी बिड खोलने की तिथि एवं समय	26.08.2026 समय 05.00 बजे अपराहन्।	29.08.2026 समय 05.00 बजे अपराहन्।

नोटः–शेष नियम एवं शर्तें यथावत रहेंगे।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, रामगढ़।

PR.NO.388044 Drinking Water and Sanitation(26-27):D

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

एनटीए में नई टीम ही नहीं, नई ऊर्जा की भी जरूरत

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की परीक्षा व्यवस्था में बदलाव के प्रयास सिर्फ प्रशासनिक फेर-बदल नहीं है, बल्कि यह उस भरोसे को बहाल करने की कोशिश है, जिस पर देश की करोड़ों युवा प्रतिभाओं का भविष्य टिका है। विभिन्न परीक्षाओं में प्रश्नपत्र तैयार करने वाली पुरानी टीम के करीब 600 प्रोफेसर, शिक्षक और विशेषज्ञों को बदलकर नई टीम बनाना एक महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन अब सवाल केवल टीम बदलने का नहीं, बल्कि पूरी परीक्षा व्यवस्था को जवाबदेह, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने का है। एनटीए का गठन इस उद्देश्य से किया गया था देश में प्रतियोगी परीक्षाओं के संचालन के लिए एक ऐसी आधुनिक संस्था विकसित हो, जो परीक्षा व्यवस्थाओं की कमियों को दूर कर सके। एनटीए से उम्मीद थी कि वह तकनीक, विशेषज्ञता और मजबूत प्रक्रियाओं के जरिये परीक्षाओं में मानवीय हस्तक्षेप और अनियमितताओं को न्यूनतम करेगी। लेकिन बीते कुछ समय में पेपर लीक, तकनीकी गड़बड़ियों, प्रश्नपत्रों की गुणवत्ता और परीक्षा संचालन को लेकर उठे सवालों ने एनटीए की साख को चोट पहुंचाई है। हाल में यूजीसी नेट के तीन प्रश्नपत्रों में गड़बड़ियों के बाद परीक्षा दोबारा कराने का निर्णय इस चिंता को और गंभीर बनाता है। इस पर सवाल उठने का मतलब, हमारी पूरी शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े होना है। सरकार ने एनटीए के आंतरिक ढांचे की समीक्षा के बाद बड़े बदलावों के संकेत दिए हैं। यह स्वागत योग्य है, लेकिन सुधार की प्रक्रिया केवल अधिकारियों और विशेषज्ञों की अदला-बदली तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। सबसे पहले यह पता लगना चाहिए कि गड़बड़ियां आखिर हुई क्यों? प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर उसकी समीक्षा, मॉडरेशन, प्रिंटिंग, डिजिटल सुरक्षा, परीक्षा केंद्र तक पहुंच और परीक्षा के बाद मूल्यांकन तक हर स्तर की स्वतंत्र जांच जरूरी है। जहां लापरवाही या मिलीभगत सामने आए, वहां जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए।

परीक्षाओं की विश्वसनीयता का अर्थ केवल पेपर लीक रोकना नहीं है। इसका अर्थ है कि हर अभ्यर्थी को यह भरोसा हो कि उसे समान अवसर मिला है और प्रश्नपत्र निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण तथा त्रुटिरहित है। एनटीए को अपनी कार्यप्रणाली में ऐसी व्यवस्था विकसित करनी होगी जिसमें विशेषज्ञों का चयन पारदर्शी हो, प्रश्नपत्रों की कई स्तरों पर गोपनीय समीक्षा हो और तकनीकी सुरक्षा को लगातार परखा जाए। साथ ही, शिकायतों के निवारण के लिए भी स्पष्ट और समयबद्ध व्यवस्था होनी चाहिए। यह सुधार एनटीए के लिए अवसर भी है। संस्था की विश्वसनीयता केवल नई टीम बनाने से नहीं, बल्कि अपनी गलतियों से सीखने और जवाबदेही तय करने से लौटेगी। देश के युवाओं को ऐसी परीक्षा व्यवस्था चाहिए जिसमें मेहनत पर भरोसा हो, व्यवस्था पर संदेह नहीं। एनटीए को यही भरोसा फिर से अर्जित करना होगा।

मशीनों की सीमाएं और जवाबदेही तय होना जरूरी

ड्यूटी पर 23 में से 17 दिन देर से आना अनुशासनहीनता का आंकड़ा हो सकता है, लेकिन क्या यह किसी कर्मचारी को नौकरी से निकालने का अंतिम और निर्विवाद आधार हो सकता है? सैन फ्रांसिस्को के एक स्टोर में एआइ मैनेजर 'लूना' ने जब ऐसे ही एक कर्मचारी को बर्खास्त करने की सिफारिश की, तो सवाल कर्मचारी की गलती से कहीं बड़ा हो गया- क्या मशीन को किसी इंसान की रोजी-रोटी पर फैसला लेने का अधिकार दिया जा सकता है? अगर हां, तो फिर उसके 'सही प्रतीत होने वाले गलत निर्णयों' की जवाबदेही किसे देंगे?

भविष्य का सवाल यह नहीं है कि एआइ कितने फैसले ले सकता है, सवाल यह है कि किन फैसलों का अधिकार उसे दिया जाना चाहिए? यहां एआइ के पक्षधर कुछ लोग कह सकते हैं कि मानव हस्तक्षेप होने पर फैसले पक्षपातपूर्ण हो सकते हैं। माथा देखकर तिलक किया जा सकता है। बिल्कुल सच। इसकी गुंजाइश होती है। लेकिन क्या महज 'मैथ्स' देखकर फैसला 'क्लिक' कर देना भी कारगर होगा? कार्यस्थल केवल स्प्रेडशीट और उपस्थिति तालिकाओं से नहीं चलते। वहां मानवीय परिस्थितियां, व्यक्तिगत संकट और संवाद-संवेदना भी मायने रखते हैं। भूल और गलती के लिए भी एक 'स्पेस' फैसलों को मानवीय रखने में मदद करता है। दिलचस्प तथ्य यह भी है कि जिस 'लूना' ने कर्मचारी को अनुशासनहीनता पर बाहर का रास्ता दिखाया, वह खुद अपने ही बनाए नियम भूल गई और स्टोर को मुनाफे में लाने में अब तक बुरी तरह विफल रही। पांच महीनों में उसकी पूंजी एक लाख डॉलर से घटकर 61,186 डॉलर रह गई। ऐसे में सवाल यह है कि अगर मशीन भी नियम भूल सकती है, गलत आकलन कर सकती है और अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकती तो उसके फैसलों को अंतिम सत्य मानने का अधिकार उसे किसने दिया? मशीन को फैसला करने की कुर्सी दी जा सकती है, लेकिन उस कुर्सी के पीछे इंसान की जवाबदेही हटाई नहीं जा सकती। आंकड़े परिस्थितियां बता सकते हैं, उनका अर्थ नहीं। और जहां अर्थ समझने की जरूरत है, वहां अंतिम फैसला अभी भी इंसान के पास ही रहना चाहिए। यदि ऐसा होने लगा तो कॉर्पोरेट व्यवस्था अधिक कुशल होने के बजाय अधिक क्रूर और असंवेदनशील हो जाएगी।

बड़ा खतरा यह कि प्रबंधन तब कड़े और अलोकप्रिय फैसलों की आड़ के रूप में एआइ का इस्तेमाल कर सकता है। इसलिए अब नीति-निमार्ता और कानूनविदों को चाहिए कि वे मशीनों की सीमाएं और जवाबदेही के कड़े नियम तय करने के बारे में भी विचार करें। ऐसा इसलिए भी जरूरी है क्योंकि तकनीक को रोकना तो कोई समाधान है ही नहीं, लेकिन उसे बिना सीमाओं के आगे बढ़ने देना भी समझदारी नहीं। भविष्य अधिक बुद्धिमान मशीनों का हो, यह बेशक बहुत अच्छा है, लेकिन वह अधिक जिम्मेदार इंसानों का भी होना चाहिए।

खाने-पीने की वस्तुओं में जहरीले पदार्थ बन रहे जिंदगी के लिए खतरा

'8 अप्रैल को भभुआ (बिहार) में एक रेस्टोरैंट से लाए गए पनीर और मंचूरियन खाने के बाद विशाल तिवारी नामक युवक की मौत हो गई और उसके 2 मित्र गंभीर रूप से बीमार हो गए। 25 अप्रैल को पायधुनी (मुम्बई) में बिरयानी खाने के बाद एक ही परिवार के 4 सदस्यों को गंभीर उल्टी-दस्त शुरू हो गए और इलाज के दौरान दम्पति और उनकी 2 बेटियों की मौत हो गई। - 8 मई को सहरसा (बिहार) में बलुआहा स्थित सरकारी स्कूल में मिड डे मील में परोसा गया भोजन खाते ही 250 बच्चों को तेज पेट दर्द, उल्टी, चक्कर, घबराहट और बेचैनी शुरू हो गई।'

विजय कुमार

देश में लापरवाही का कुछ इस तरह का दौर चल रहा है कि विभिन्न अवसरों पर आयोजित समारोहों या स्कूलों आदि में परोसे जाने वाले मिड डे मील आदि में मिल रहे विषैले जीव-जंतुओं तथा अस्वच्छ पदार्थों के इस्तेमाल तथा पकाने में लापरवाही से लोगों के प्राण खतरे में पड़ रहे हैं जिनकी पिछले चार महीनों में सामने आई चंद घटनाएं हैं :

- 8 अप्रैल को भभुआ (बिहार) में एक रेस्टोरैंट से लाए गए पनीर और मंचूरियन खाने के बाद विशाल तिवारी नामक युवक की मौत हो गई और उसके 2 मित्र गंभीर रूप से बीमार हो गए।

- 25 अप्रैल को पायधुनी (मुम्बई) में बिरयानी खाने के बाद एक ही परिवार के 4 सदस्यों को गंभीर उल्टी-दस्त शुरू हो गए और इलाज के दौरान दम्पति और उनकी 2 बेटियों की मौत हो गई।

- 8 मई को सहरसा (बिहार) में बलुआहा स्थित सरकारी स्कूल में मिड डे मील में परोसा गया भोजन खाते ही 250 बच्चों को तेज पेट दर्द, उल्टी, चक्कर, घबराहट और बेचैनी शुरू हो गई। खाना खाने के दौरान कुछ बच्चों ने भोजन में सपोला या विषैला कीड़ा होने का दावा किया था।

- 22 मई को कन्नौज (राजस्थान) के गांव मेवदाकलां में एक धार्मिक समारोह के बाद आयोजित भोज में विषाक्त भोजन खाने से 100 से अधिक लोगों को अचानक उल्टी-दस्त और पेट दर्द होने लगा।

- 25 मई को सुंदरगढ़ और झारसुगड़ा (ओडिशा) में एक शोक सभा के दौरान परोसा गया भोजन खाने से 4 लोगों की मौत हो गई।

- 9 जुलाई को नागरकुरनूल (तेलंगाना) के मन्नानूर स्थित एक आवासीय विद्यालय में सुबह के नाश्ते में परोसी गई दूषित खिचड़ी खाने के परिणामस्वरूप 26 छात्रों को पेट दर्द और उल्टियां शुरू हो गईं ।

-13 जुलाई को धौलपुर (राजस्थान) में एक जन्मदिन समारोह का बचा हुआ भोजन खाने से एक ही परिवार के 11 सदस्य बीमार पड़ गए जिनमें से 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई।

- 11 अगस्त को खगड़िया (बिहार) के हियादपुर गांव में आयोजित पूजा के मौके पर बांटा गया प्रसाद खाने के बाद 250 के लगभग लोगों को पेट दर्द, उल्टी, दस्त, चक्कर और घबराहट जैसी शिकायतें शुरू हो गईं।

- 16 अगस्त को नालासोपारा (महाराष्ट्र) में एक जन्मदिन समारोह में केक खाने के बाद 7 बच्चों और 4 महिलाओं सहित 11 लोग बीमार हो गए। बच्चों का दावा था कि केक में मरी हुई छिपकली मिली थी।

- 16 अगस्त को ही महाराज गंज (उत्तर प्रदेश) में जवाहर नवोदय विद्यालय के छात्रों को परोसे गए सुबह के नाश्ते के चावल में मरा हुआ मेंढक मिलने से हड़कम्प मच गया और दोबारा नाश्ता बनवाया गया।

-17 अगस्त को बांदा (उत्तर प्रदेश) के एक निजी आवासीय स्कूल के होस्टल में रहने वाले 8 और 12 वर्ष के 2 छात्रों की ह्यफूड प्वायजसिंनग से मौत हो गई। बच्चों ने कुछ घंटे पहले चटनी के साथ मोमोज खाए थे।

-18 अगस्त को सूरत (गुजरात) में एक रेस्तरां से लाई गई काजू- पनीर की सब्जी खाने के बाद एक परिवार के 5 सदस्य गंभीर रूप से बीमार हो गए तथा अस्पताल में इलाज के दौरान एक बच्ची की मौत हो गई।

- 18 अगस्त को ही नालंदा (बिहार) के एक स्कूल में पकाए गए मिड डे मील की सब्जी में नमक के स्थान पर कपड़े धोने वाला वाशिंग पाऊडर डाल देने के कारण कई बच्चों के गले और जीभ में तेज जलन, पेट दर्द, चक्कर और उल्टियां शुरू हो गईं जिन्हें अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा। और अब 18 अगस्त को ही नग्गर (हिमाचल) में बाड़ी स्थित प्राइमरी स्कूल में मिड डे मील में परोसी गई खीर खाकर 30-40 बच्चों की तबीयत खराब हो जाने का मामला सामने आया है। ये तो चंद उदाहरण मात्र हैं। अतः ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए भोजन पकाने में इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री की शुद्धता और स्वच्छता पर ध्यान देने की जरूरत है और इसमें लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध तुरंतकड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

दिमागी नक्सल को लेकर नई बहस

'यह जरूरी तो नहीं संसार बदल देने के उनके इस निर्णय से लोग सहमत ही हों। इसका उत्तर मिल चुका था कि उनकी राय की जरूरत ही नहीं है। लेकिन यह भी तो हो सकता है कि लोग उनके इस प्रयोग का विरोध ही शुरू कर दें। इसका उत्तर था कि परिवर्तन बंदूक से आता है। इसके लिए चुनाव करवाने की जरूरत नहीं पड़ती। बैलेट बाक्स नहीं, बल्कि बुलेट इसका फैसला करता है। ऐसे तर्क गढ़ने वाले दिमागी लोग ही होते हैं। रूस में सबसे पहला ऐसा प्रयोग हुआ। परिवर्तन तो हो गया लेकिन उसमें लाखों लोग मौत के घाट उतार दिए गए। इस नए प्रयोग और सिस्टम को कम्युनिज्म नाम दिया गया।'

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

पिछले दिनों पंद्रह अगस्त के अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश में से नक्सल आतंक को समाप्त कर दिया गया है, लेकिन कुछ दिमागी नक्सल अभी भी बचे हुए हैं। इसको लेकर बहुत हो हल्ला हुआ। कुछ लोग बहुत ज्यादा गुस्से में आ गए। लेकिन गुस्से में आने वालों को एक ही तराजू पर नहीं तोला जा सकता। उनमें से कुछ तो ऐसे हैं जो सचमुच ही दिमागी नक्सलवादी हैं। वे अभी तक चुपचाप अपना काम कर रहे थे। उनके इस ह्यचुपचाप कामह्ल का खामियाजा पूरा देश भुगत रहा था, लेकिन इन छिपे दिमागी नक्सलवादियों की किसी को भनक तक नहीं लग रही थी। जैसे कोई शातिर चोर अचानक चोरी करता हुआ पकड़ा जाए तो वह समय की नजाकत को भांप कर राबिनहुड बनने की कोशिश करता है। इस प्रथम कैटेगरी में पी. चिदंबरम आते हैं। दूसरी कैटेगरी ऐसे लोगों की है जिसको न नक्सलवाद से कुछ लेना-देना है और न ही उनका इससे कुछ लेना-देना है। क्योंकि मोदी ने कहा है कि कुछ छिपे हुए दिमागी नक्सल अभी भी बचे हुए हैं, इससे उन्होंने अंदाजा लगा लिया कि क्योंकि मोदी अपने विरोधी दल वालों को तरह तरह से उकसाते हैं, इसलिए जरूर ये दिमागी नक्सल इंडी गठबंधन में होंगे। अब इंडी गठबंधन में उनको वह स्थान नहीं मिल रहा जो पहले मिला करता था। ऐसे लोगों को लगा कि इंडी गठबंधन में अपनी खोई हैसियत दोबारा पाने का यह सुनहरा मौका है। उनको लगा देश की जनता यह मान लेगी कि मोदी से जो विरोधी नेता लड़ सकता है, वह वही है जो इस वक्त ज्यादा चिल्लाएगा कि वह दिमागी नक्सल है। इस कैटेगरी में दिल्ली के मुख्यमंत्री रह चुके अरविंद केजरीवाल आते हैं। अभी नरेंद्र मोदी का लाल किला का संबोधन शायद पूरा भी नहीं हुआ था कि केजरीवाल ने चिल्लाना शुरू कर दिया कि वह ही सबसे बड़ा दिमागी नक्सलवादी है। केजरीवाल को लगा कि राहुल गांधी जब भी भारत में आते हैं, तो चीख चिल्ला कर बताना शुरू कर देते हैं कि विरोधी पक्ष का मैं ही नेता हूं। मोदी मुझसे डरते हैं। इस प्रकार लड़ाई मोदी बनाम राहुल बनती है। यह देखकर केजरीवाल ने चिल्लाना शुरू कर दिया कि वह सबसे बड़े दिमागी नक्सलवादी हैं। वैसे भी केजरीवाल ने अपनी राजनीति की शुरूआत ही इस मंत्र से की थी। वे वाराणसी से नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़े थे। दिमागी नक्सल के लिए भी दिमाग चाहिए। यह सूत्र बहुत से लोग अपने आप को दिमागी नक्सल कहने की हड़बड़ी में भूल ही गए। एक तीसरी श्रेणी भी मंच पर उतरी। उसने भी दावा किया है कि वह दिमागी नक्सल है। उस कैटेगरी में कश्मीर घाटी की महबूबा मुफ्ती हैं। अचानक न जाने उसको क्या सूझी कि अरविंद केजरीवाल को चिल्लाते देख कर महबूबा मुफ्ती ने भी मुंडेर पर आकर चिल्लाना शुरू कर दिया कि मुझे पहचानो, मैं भी दिमागी नक्सल ही हूं। लेकिन महबूबा मुफ्ती भूल गईं कि इस्लाम में नक्सलवादी पैदा नहीं होते, बल्कि वहां वे नकाब में नमूदार होते हैं। इसलिए महबूबा मुफ्ती के मामले पर जाने से पहले यह जान लेना जरूरी हो गया है कि आखिर दिमागी नक्सलवादी का अर्थ क्या है? अपने वक्त में एक यहूदी कार्ल मार्क्स ने बहस चलाई थी कि संसार को बदलने के लिए, उसमें आम लोगों को शामिल करने और उनकी राय को समझने बूझने की जरूरत नहीं है। संसार को बदलने का, सिस्टम को बदलने का निर्णय चंद गिने चुने लोग ही करते हैं।

यह जरूरी तो नहीं संसार बदल देने के उनके इस निर्णय से लोग सहमत ही हों। इसका उत्तर मिल चुका था कि उनकी राय की जरूरत ही नहीं है। लेकिन यह भी तो हो सकता है कि लोग उनके इस प्रयोग का विरोध ही शुरू कर दें। इसका उत्तर था कि परिवर्तन बंदूक से आता है। इसके लिए चुनाव करवाने की जरूरत नहीं पड़ती। बैलेट बाक्स नहीं, बल्कि बुलेट इसका फैसला करता है। ऐसे तर्क गढ़ने वाले दिमागी लोग ही होते हैं। रूस में सबसे पहला ऐसा प्रयोग हुआ। परिवर्तन तो हो गया लेकिन उसमें लाखों लोग मौत के घाट उतार दिए गए। इस नए प्रयोग और सिस्टम को कम्युनिज्म नाम दिया गया। लेकिन साथ ही यूरोप में एक नई बहस भी छिड़ गई कि बंदूक की बजाय लोकतांत्रिक तरीके से भी तो कम्युनिज्म आ ही सकता है। यदि ज्यादा लोग कम्युनिस्ट पार्टी को वोट दे देंगे तो उसकी सरकार आ जाएगी और नई सरकार परिवर्तन कर ले। भारत में भी 1925 में कम्युनिस्ट पार्टी बनी। बाद में उसमें फूट पड़ गई। उसका दूसरा ग्रुप सीपीएम के नाम से काम करने लगा। सीपीएम ने पश्चिमी बंगाल में लोकतांत्रिक तरीके से अपनी सरकार बना ली और सिस्टम को अपने हिसाब से बदलने का काम करना शुरू कर दिया। तब कुछ लोगों ने कहना शुरू किया कि यह ठीक है कि बंगाल में कम्युनिस्ट सरकार बन गई है। लेकिन इसका तरीका गलत है। सरकार बदलने का कम्युनिस्ट तरीका तो माओ ने दिखाया है कि ह्यसत्ता बंदूक की गोली से निकलती हैह्ल। लेकिन यहां तो सत्ता वोटों के डिब्बे से निकली थी। यह गलत तरीका है। सही तरीके से सत्ता परिवर्तन होना चाहिए था। उन्होंने अपना तीसरा ग्रुप बना लिया जिसका नामकरण हुआ सीपीआई (एमएल), यानी कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी-लेनिनवादी। इस पार्टी ने बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से परिवर्तन का कम्युनिस्ट तरीका प्रयोग करना शुरू किया और गोली मार कर लोगों की जमीनों पर कब्जा शुरू किया। यह पार्टी नक्सलवादी पार्टी के नाम से प्रसिद्ध हो गई। इस पार्टी ने एक नया नारा भी दिया कि ह्यचीनेर चेयरमैन आमादेर चेयरमैनह्ल, यानी चीन का चेयरमैन ही हमारा अर्थात भारत का चेयरमैन है। इस पार्टी ने अपने विभिन्न गुटों में तालमेल बिठा कर भारत के विभिन्न प्रांतों के लगभग 180 जिलों में अपना सिस्टम कायम कर लिया था और इसको लाल गलियारा कहा जाने लगा। इस पूरी प्रक्रिया के दो हिस्से थे। कुछ लोग शहरों में बैठ कर नौजवानों को परिवर्तन के सही माओवादी तरीके समझाते थे। ये नौजवान जंगलों में जाकर बंदूक की गोली से परिवर्तन लाने में जुटते थे, मारे जाते थे और शहरों में बैठे दूसरे लोग नई खेप तैयार करते रहते थे। इस पूरी प्रक्रिया में अब तक लाखों लोग मारे गए। शहरों में बैठ कर मौत का यह धंधा करने वालों को दिमागी नक्सल कहा जाने लगा। दिमागी नक्सलवादियों ने भी दोहरी रणनीति अपनाई। उनमें से बहुत से समय समय पर कांग्रेस पार्टी में घुस गए। पार्टी का मानना था कि कांग्रेस की अपनी कोई विचारधारा तो नहीं है। इसलिए कांग्रेस में घुस कर इसके आप्रेटस पर ही कब्जा कर लेना चाहिए। मोदी ने इसी का खुलासा किया था कि जंगल में बंदूक से लोगों को मारने वाले नक्सल तो समाप्त हो गए हैं, अब केवल दिमागी नक्सल बचे हैं, उनसे होशियार रहने की जरूरत है। तब तुरंत कांग्रेस में घुसे हुए पी. चिदंबरम जैसे दिमागी नक्सलवादियों ने समझ लिया कि इस चेतावनी की गंभीरता को कम करने के लिए चिल्लाया जाए कि हां मैं दिमागी नक्सल हूं। महबूबा मुफ्ती जैसे लोग देखादेखी चिल्ला रहे हैं कि शायद यह तगमा भी शोहरत देगा। लेकिन कांग्रेस को गंभीरता से अपने यहां से दिमागी नक्सलियों को निकालना चाहिए। पर क्या ऐसा हो पाएगा? क्योंकि कहा जाता है कि राहुल गांधी को भी पार्टी में दिमागी नक्सलियों ने ही घेरा हुआ है। बहरहाल, परिवर्तन के लिए लोकतांत्रिक तरीका ही बेहतर होता है। हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं है।

क्यों मिलती है असफलता

श्रीश्री रवि शंकर

चिंतन-मनन

बुरे कामों का पछतावा तो स्वाभाविक है, लेकिन कई बार आपके अच्छे कर्म भी आपको दुखी कर सकते हैं। अच्छे कर्म स्वतः ही आपका उद्धार नहीं कर देते। आपकी नीयत, लगाव, अपेक्षाएं, अहंकार और कर्म करते समय आपके मन की स्थिति ही यह तय करती है कि वह कर्म आपके लिए सुख लाएगा या दुख। जब आप दान-पुण्य करते हैं, तब कई बार आपको लग सकता है कि आपके अच्छे कामों पर किसी का ध्यान ही नहीं गया। मैंने इतने बेहतरीन काम किए, लेकिन किसी ने उनकी सराहना नहीं की। उनके लिए कोई प्रशंसा नहीं मिली। यह एक आम शिकायत है। अपने अच्छे कामों के लिए पहचान और सराहना पाने की यही चाहत अकसर दुख का कारण बनती है। अच्छे काम से परिणाम की अपेक्षा ही दुख का स्रोत- नारद भक्ति सूत्र में देवर्षि नारद न केवल कर्मों की भागदौड़ से, बल्कि उन कर्मों के फल की अपेक्षा से भी विराम लेने की सलाह देते हैं। यह विराम हमें संशयों, संघर्षों और दुखों से गहरी शांति प्रदान करता है। जो व्यक्ति परिणाम की चिंता किए बिना केवल कर्म पर ध्यान केंद्रित करता है, वह द्वंद्वों और संघर्षों से परे चला जाता है। जब आप कोई अच्छा काम करते हैं, तो उस काम के परिणाम में आपकी अपेक्षाएं जुड़ी होती हैं। यही अपेक्षा दुख का स्रोत बन जाती है। जब आपके हाथों कोई अच्छा काम हो जाए, तो खुद को याद दिलाएं कि यह परमात्मा ही है, जिसने आपको ऐसी परिस्थिति में रखा, जहां आपको अच्छा काम करने का अवसर मिला। कहा गया है दाता को आभारी होना चाहिए जब कोई कुछ देता है और उसे स्वीकार कर लिया जाता है, तो देने वाले को आभारी होना चाहिए। विचार यह होना चाहिए कि मुझे दाता की भूमिका दी गई है, यह अपने आप में एक महान आशीर्वाद है। अपने कर्मों पर संदेह दुख का कारण- अच्छा काम करने वाले लोगों से अकसर एक और शिकायत सुनने को मिलती है , मैंने इतने अच्छे कर्म किए फिर भी देखिए मेरे साथ क्या हुआ। कहावत है नेकी कर, कुएं में डाल। आपको याद भी नहीं रहना चाहिए कि आपने कोई अच्छा काम किया है। अन्यथा आप यह सोचकर दुखी हो जाएंगे कि मैंने इतने वर्षों तक फलां-फलां काम किए, लेकिन जिन लोगों को इसका लाभ मिला, वे आज मेरे बुरे दिनों में मुझे पहचानते तक नहीं। केवल इतना याद रखें कि आपने भूतकाल में अवश्य ही कुछ अच्छा किया होगा, जिसके कारण आपको सेवा का यह अवसर मिला और आपने उसे पूरा किया।

आपके पत्र

पद्धतियों व शिक्षा के मंदिर में भरोसे का संकट

स्कूल केवल पढ़ाई की जगह नहीं होते। वे बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण, संस्कार, अनुशासन और सुरक्षित भविष्य की नींव रखते हैं। माता-पिता जब अपने बच्चों को विद्यालय भेजते हैं तो उनके मन में यह विश्वास होता है कि शिक्षक उनके बच्चे को ज्ञान देने के साथ-साथ उसकी सुरक्षा और गरिमा का भी ध्यान रखेंगे। लेकिन जब इसी भरोसे की आड़ में किसी शिक्षक द्वारा छात्रा के साथ छेडखानी, अनुचित व्यवहार या यौन उत्पीड़न की घटना सामने आती है, तो चोट केवल एक बच्ची को नहीं लगती, पूरा शैक्षणिक तंत्र कटघरे में खड़ा हो जाता है।

छात्राओं के साथ शिक्षकों द्वारा अनुचित व्यवहार की खबरें समय-समय पर सामने आती रही हैं। किसी व्यक्ति को केवल आरोप के आधार पर दोषी ठहराना उचित नहीं है, लेकिन शिकायत सामने आने के बाद उसे दबा देना न्यायसंगत नहीं है।

मनीषा सिंह, रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

वारंटी राजेश यादव गिरफ्तार

साहिबगंज : मुफ्फसिल थाना पुलिस ने गैर-जमानती वारंट के मामले में डिहारी निवासी राजेश यादव, पिता महादेव यादव को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस के अनुसार राजेश यादव के खिलाफ भागलपुर न्यायालय से जारी गैर-जमानती वारंट जीआर-2690/19 लंबित था। कार्रवाई करते हुए पुलिस ने उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया

नाबालिग लड़की के अपहरण मामले में आरोपी गिरफ्तार

साहिबगंज : नाबालिग लड़की के अपहरण मामले में मुफ्फसिल थाना पुलिस ने आरोपी सुधांशु कुमार, पिता विनोद मिस्त्री, निवासी बरबीघा, जिला शेखपुरा (बिहार) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार मुफ्फसिल थाना कांड संख्या 100/26, दिनांक 17 अगस्त 2026 में बीएनएस की धारा 96 एवं 3(5) के तहत मामला दर्ज है। आरोपी को फतुहा थाना, पटना की पुलिस ने लड़की के साथ गिरफ्तार किया था। इसके बाद मुफ्फसिल थाना पुलिस ने उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया ।इस संबंध में थाना प्रभारी अनीश पांडे ने बताया कि सभी चारों आरोपियों को दर्ज प्राथमिकी एवं वारंट के आलोक में विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

मारपीट मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

साहिबगंज : मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के शोभनपुर भट्ठा में मारपीट के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तार आरोपियों में विजय उर्फ बिरजू यादव, पिता मुनीलाल यादव और मदन यादव उर्फ झंडा यादव, पिता छटू यादव, दोनों निवासी शोभनपुर भट्ठा शामिल हैं। विजय यादव के खिलाफ मुफ्फसिल थाना कांड संख्या 95/26, दिनांक 8 अगस्त 2026 तथा मदन यादव के खिलाफ कांड संख्या 96/26, दिनांक 9 अगस्त 2026 दर्ज है। दोनों के विरुद्ध बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

बकरी चोरी के विवाद में दो लोग थाना पहुंचे

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र के बादशाह चौक के समीप बकरी चोरी के आरोप को लेकर दो लोगों के बीच विवाद हो गया। सूचना पर पहुंची टाइगर मोबाइल की टीम दोनों को नगर थाना ले गई। बताया गया कि एक व्यक्ति मोटरसाइकिल पर बकरी लेकर जा रहा था तभी एक महिला ने बकरी को अपना बताते हुए रोक लिया। व्यक्ति ने बकरी खरीदकर ले जाने की बात कही। थाना प्रभारी ने दोनों पक्षों के बीच आपसी सुलह-समझौता करा दिया।

लापता महिला और बच्ची को कुशल बरामद कर परिजनों को सौंपा

हजारीबाग : जिले के उरीमारी थाना क्षेत्र के चानो गांव से 17 अगस्त को लापता हुई सुनीता देवी पति हीरामन महतो और उनकी 6 वर्षीय पुत्री निधि कुमारी को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है। बताया जाता है कि परिजनों की ओर से 19 अगस्त को थाने में लिखित सूचना दर्ज कराई गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए उरीमारी थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की और महज 24 घंटे के भीतर आज, 20 अगस्त 2026 को मांडू थाना क्षेत्र के आरा काटा इलाके से दोनों को ढूंढ निकाला। पुलिस ने आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए मां और बच्ची को उनके परिजनों को सही सलामत सौंप दिया है, जिससे परिवार में खुशी का माहौल है।

आकांक्षी प्रखंड और जिला कार्यक्रम की जमीनी प्रगति का जायजा लेने पहुंचे नीति आयोग के सलाहकार

साहिबगंज : नीति आयोग के सलाहकार श्री अनुराग सिंह द्वारा आज आकांक्षी प्रखंड एवं आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत जिले में कराए जा रहे विकास कार्यों एवं विभिन्न केपीएलएस से संबंधित प्रगति का जमीनी स्तर पर भ्रमण कर जायजा लिया गया। भ्रमण के क्रम में श्री सिंह ने सर्वप्रथम युएमएस पुरबटोला, मंडरो, इसके बाद आंगनवाड़ी केंद्र माथाडीह तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तेतरिया का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों व कर्मियों से शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण सहित विभिन्न निर्धारित सूचकांकों में हुई प्रगति की जानकारी ली तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं अपेक्षित परिणाम सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान विद्यालय में शैक्षणिक व्यवस्था आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों व लाभुकों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा व स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति का अवलोकन किया गया। उन्होंने सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के लाभुकों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने तथा विकास कार्यों में गुणवत्ता व निरंतरता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।मौके पर जिला योजना पदाधिकारी श्री अनूप कुमार एवं आकांक्षी प्रखंड फेलो श्री मनीष कुमार सहित संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

मां गंगा सेवा समिति ने मां तारा मंदिर परिसर में किया फलदार पौधों का रोपण

साहिबगंज : पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मां गंगा सेवा समिति साहिबगंज झारखंड की ओर से मां तारा मंदिर के बगीचे में विभिन्न फलदार पौधों का वृक्षारोपण किया गया।इस दौरान नारियल,आम,आंवला,अमरूद सहित कई फलदार पौधे लगाए गए।मां गंगा सेवा समिति का मानना है कि पौधारोपण के साथ-साथ पौधों की नियमित देखभाल भी बेहद जरूरी है। समिति की ओर से अपील की गई कि जहां भी पौधे लगाए जाएं, वहां उनकी सुरक्षा के लिए घेराबंदी की जाए तथा नियमित रूप से पानी देकर उनकी देखभाल की जाए,ताकि पौधे सुरक्षित रूप से विकसित होकर भविष्य में फल एवं छाया प्रदान कर सकें।मां तारा मंदिर का बगीचा सुरक्षित होने के साथ-साथ वहां पौधों की देखभाल के लिए लोगों की मौजूदगी भी रहती है।ऐसे में लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन की बेहतर व्यवस्था होने की उम्मीद है।समिति के इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ समाज में अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी जिम्मेदारीपूर्वक देखभाल करने के प्रति लोगों को जागरूक करना है।इस अवसर पर मां गंगा सेवा समिति,के अध्यक्ष प्रमोद कुमार पाण्डेय,पंडित धनेश तिवारी,शशि कुमार सुमन,जगन्मय मिश्रा,अमित केसरी,संदीप अवस्थी,सिद्धार्थ कुमार,बबलू तिवारी,विनोद यादव सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

मेरा विद्यालय निपुण मैं भी निपुण 2.0 का जिला स्तरीय दो दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

संवाददाता

साहिबगंज : जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा विद्यालयों में बुनियादी साक्षरता एवं संख्याज्ञान के प्रभावी क्रियान्वयन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ह्यमेरा विद्यालय निपुण मैं भी निपुण 2.0ह्ल के तहत दो दिवसीय जिला स्तरीय गैर-आवासीय प्रशिक्षण का आयोजन 19 एवं 20 अगस्त 2026 को जिला स्तरीय एसएसए सभागार साहिबगंज में किया गया।प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ जिला शिक्षा अधीक्षक उर्मिला हँसदा की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी द्वारा ह्यमेरा विद्यालय निपुण,मैं भी निपुण 2.0ह्ल कार्यक्रम के उद्देश्य,कार्ययोजना एवं प्रमुख बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को विद्यालयों में निपुण लक्ष्यों की प्राप्ति,कक्षा-कक्ष में गतिविधि आधारित शिक्षण,बच्चों के सीखने के स्तर के

आकलन तथा लर्निंग गैप को कम करने की रणनीतियों से अवगत कराया गया।प्रशिक्षण में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में शैलेश दास,श्याम ओझा,नीरज कुमार गौस्वामी एवं फैजल समसुद्दीन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।वहीं एसपीएमयु से अविनाश चंद्र द्वारा भी प्रशिक्षण सत्रों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए कार्यक्रम के विभिन्न तकनीकी एवं शैक्षणिक पहलुओं पर प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया गया।दो दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान एफएलएन के प्रभावी क्रियान्वयन,बच्चों के सीखने के स्तर में सुधार,गतिविधि आधारित शिक्षण,आकलन के आधार पर लर्निंग गैप की पहचान एवं उसके समाधान तथा ह्यमेरा विद्यालय निपुण,मैं भी निपुण 2.0ह्ल के निर्धारित मानकों पर विशेष रूप से चर्चा की गई।प्रतिभागियों को विद्यालय स्तर पर कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई।प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य जिले के विद्यालयों में निपुण वातावरण विकसित करना,शिक्षकों की शैक्षणिक क्षमता को मजबूत करना तथा प्रत्येक बच्चे को अपेक्षित दक्षता स्तर तक पहुँचाने के लिए सामूहिक प्रयास को गति देना रहा।दो दिवसीय प्रशिक्षण के सफल आयोजन के साथ ही यह संकल्प लिया गया कि प्रशिक्षण से प्राप्त सीख एवं रणनीतियों को विद्यालय स्तर तक पहुँचाकर ह्यमेरा विद्यालय निपुण,मैं भी निपुणह्ल के लक्ष्य को प्रभावी रूप से साकार किया जाएगा।

जिला कांग्रेस कार्यालय में मनाई गई राजीव गांधी की 82वीं जयंती

संवाददाता

साहिबगंज : जिला कांग्रेस कार्यालय साहेबगंज में गुरुवार को भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं आधुनिक भारत के निमार्ता स्वर्गीय राजीव गांधी की 82वीं जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष ने की।इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने राजीव गांधी के तैलीय चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।इसके बाद कांग्रेस कार्यकताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर राजीव गांधी की जयंती की बधाई दी और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष बरकतउल्ला खान ने कहा कि राजीव गांधी जी ने देश को नई दिशा देने का काम किया।उन्होंने भारत में सूचना व प्रौद्योगिकी संचार और पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में ऐतिहासिक पहल की। राजीव

गांधी का सपना था कि भारत का युवा आधुनिक शिक्षा और तकनीक से लैस होकर देश को प्रगति के पथ पर आगे ले जाए।उन्होंने कहा,ह्लराजीव गांधी जी आधुनिक भारत के निर्माण के साथ-साथ देश की एकता अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए समर्पित नेता थे।आज उनकी जयंती पर हम सभी कांग्रेसजन उनके आदर्शों और विचारों को जन-जन तक पहुंचाने तथा देश की एकता और भाईचारे को मजबूत करने का संकल्प लेते हैं। बरकतउल्ला खान ने कहा कि वर्तमान समय में राजीव गांधी जी के विचार और उनकी दूरदृष्टि पहले से भी अधिक प्रासंगिक हैं। युवाओं को सशक्त बनाना,तकनीक को आम लोगों तक पहुंचाना और लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकताओं ने राजीव गांधी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया।

केंद्र सरकार के खान और खनिज संशोधन विधेयक के खिलाफ वाम दलों का प्रतिवाद मार्च

संवाददाता

हजारीबाग : केंद्र सरकार की ओर से संसद में बिना किसी बहस के जल्दबाजी में पारित किए गए खान और खनिज विकास और विनियमन संशोधन विधेयक 2026 के विरोध में राजधानी में वाम दलों का आक्रोश फूट पड़ा है। इस कानून के खिलाफ सीपीआई के जिला सचिव अनिरुद्ध कुमार और सीपीएम नेता गणेश कुमार सीटू के नेतृत्व में इंद्रपुरी चौक से एक विशाल प्रतिवाद मार्च निकाला गया।

मार्च विभिन्न मार्गों से होते हुए जिला परिषद चौक पहुंचा, जहां विधेयक की प्रति को आग के हवाले कर कड़ा विरोध जताया गया। डॉ अनवर हुसैन की अध्यक्षता में आयोजित नुक्कड़ सभा के माध्यम से वक्ताओं ने केंद्र सरकार से इस जनविरोधी और असंवैधानिक कानून को तुरंत वापस लेने की पुरजोर मांग की।सभा को संबोधित करते हुए नेताओं ने कहा कि एक तरफ जब संसद में पूरा विपक्ष गृह मंत्री और प्रधानमंत्री के सदन में उपस्थित होने और जंतर-मंतर पर हुए लाठीचार्ज व पैलेट गन के इस्तेमाल पर जवाब मांग रहा था, ठीक उसी हंगामे के बीच 10 अगस्त को इस अत्यंत महत्वपूर्ण विधेयक को बिना किसी चर्चा के पारित करा लिया गया। संसद के दोनों सदनों में इस पर बहस न करवाना सरकार की दमनकारी और गलत मंशा को बेनकाब करता है।वाम दलों ने इसे संविधान की मूल भावना के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान की प्रस्तावना और राज्य के नीति निदेशक तत्वों भाग-4, अनुच्छेद 36-51 के तहत राज्यों को कल्याणकारी राज्य का दर्जा दिया गया है, जिसके अनुसार राज्य सरकारें जनता के कल्याण के लिए योजनाएं बना सकती हैं और अपने संसाधनों से खर्च जुटा सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट के 2025 के उस ऐतिहासिक आदेश का हवाला भी दिया गया जिसमें कहा गया है कि ू४८ जमीन, वही खनिज का मालिक।

नेताओं ने चेतावनी दी कि इस नए संशोधन विधेयक से न केवल झारखंड, बल्कि देश के अन्य खनिज संपदा से संपन्न राज्यों और वहां के मूलवासियों पर भी गंभीर और दूरगामी असर पड़ेगा। इससे राज्य सरकारें वित्तीय रूप से कमजोर होंगी, जिसके फलस्वरूप राज्यों में चल रहे तमाम विकास कार्य बाधित होंगे और अंततः गरीब जनता को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा।प्रतिवाद मार्च और नुक्कड़ सभा में महेंद्र राम, तापेश्वर राम भुइयां, कृष्ण कुमार मेहता, प्रवीण प्रसाद मेहता, नेमन यादव, स्वदेशी पासवान, मजीद अंसारी, एनुअल हक, राजू प्रसाद, मुनाजिर हुसैन और संजय कुमार सहित वाम दल के कई प्रमुख नेता व कार्यकर्ता शामिल रहे।

यात्री का मोबाइल चोरी करने का असफल प्रयास

साहिबगंज : साहिबगंज रेलथाना क्षेत्र में चोर व झपटमार गिरोह काफी सक्रिय है। चलती ट्रेन में खिड़की के पास बैठे यात्री के हाथ से मोबाइल झपटकर फरार हो जाता है। ऐसा ही मामला गुरुवार को हुआ है। दिल्ली से मालदा जाने वाली डाउन फरक्का एक्सप्रेस जब साहिबगंज ट्रेन प्रवेश करने के दौरान दहला में चलती ट्रेन में एक यात्री फोन चला रहा था। तभी एक झपटमार गिरोह का सदस्य अचानक झपटा। हालांकि इसमें असफल रहा। यात्री जनरल कोच से दिल्ली से फरक्का जा रहा था।

बरही में राजीव गांधी की जयंती मनी जिला अध्यक्ष जेपी पटेल हुए शामिल

संवाददाता

बरही : बरही प्रखण्ड कांग्रेस कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री स्व राजीव गांधी की जयंती मनाई गई। अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल मनान वारसी ने की। राजीव गांधी की तस्वीर पर माल्यार्पण करते हुए कांग्रेस कार्यकताओं ने पंचायती राज एवं जन सूचना क्रांति के नायक आधुनिक भारत के निमार्ता भारत रत्न से सम्मानित राजीव गांधी के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि जिलाअध्यक्ष जयप्रकाश भाई पटेल ने प्रखण्ड के कांग्रेस कार्यकताओं के साथ बारी बारी से राजीव गांधी को श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि देने के बाद बरही की मुख्य समस्या को दूर करने की बात कही। जिला अध्यक्ष जेपी पटेल ने कहा कि बरही के गया रोड से सामंतों पेट्रोल पंप तक रोड में बने गढ़े को एक सप्ताह के अंदर ठीक नहीं किया गया तो रोड नही तो टॉल टैक्स नही का आंदोलन चलाएंगे। वह सारे बरही वासियों के साथ मिलकर आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। पूर्व प्रधानमंत्री स्व राजीव गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में जिला उपाध्यक्ष डॉ निजामुद्दीन अंसारी तोखन रविदास अब्दुल मनान वारसी दीपक गुप्ता तौकीर रजा विष्णुधारी महतो सुनील साहू नरेश कुमार संतोष रजवार मनोज पासवान कार्तिक पासवान छोटी भुईया प्रकाश विश्कर्मा मो0 गुलजार अंसारी मनोज यादव मो0 तैयब अंसारी केदार यादव बिनोद यादव मनोज रविदास अर्जुन साव फिरदौस खान मो0 सरफराज आलम मो0 मकसूद आलम संजय रविदास पंकज पासवान महेश कुशवाहा महेश प्रसाद समेत अनेक कार्यकर्ता शामिल थे।फोटो बरही पी1: पूर्व प्रधानमंत्री स्व राजीव गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित करते जिला अध्यक्ष जेपी पटेल एवं कार्यकर्ता।

भक्ति, श्रद्धा और उत्साह के साथ चल रहा श्री 1008 शांतिनाथ महामंडल विधान

हजारीबाग : श्री दिगम्बर जैन पंचायत, हजारीबाग के तत्वावधान में एवं जैन महिला समाज के आयोजन में श्री दिगम्बर जैन मंदिर, बड़ा बाजार के पीछे स्थित हॉल परिसर में चल रहा सोलह दिवसीय श्री 1008 शांतिनाथ महामंडल विधान इन दिनों श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र बना हुआ है। विधान के आठवें दिन भी प्रातः से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तगण उत्साह और उमंग के साथ शामिल हुए। अभिषेक, शांतिधारा, पूजन-पाठ एवं आराधना के साथ पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। भजनों की मधुर धुनों पर ढोलक एवं तबले की ताल के साथ श्रद्धालु भक्ति में झूमते नजर आए। प्रतिष्ठाचार्य पंडित दीपक जी के सान्निध्य में प्रतिदिन विधान की धार्मिक क्रियाएं विधिपूर्वक संपन्न हो रही हैं। संगीतकारों की मधुर प्रस्तुति और भक्ति गीतों ने पूरे आयोजन में विशेष उत्साह एवं आनंद का वातावरण बना दिया है। प्रतिदिन श्रद्धालुओं की बढ़ती सहभागिता इस आयोजन की भव्यता को और बढ़ा रही है। श्री दिगम्बर जैन पंचायत के मीडिया हेड विजय जैन लुहाड़िया ने कहा कि श्री 1008 शांतिनाथ महामंडल विधान में प्रतिदिन जिस प्रकार समाज के लोग श्रद्धा, उमंग और उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं।

बरहरवा प्रखंड कांग्रेस कार्यालय में मनाई गई राजीव गांधी की 82 वीं जयंती

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : प्रखंड कांग्रेस कमिटी बरहरवा के तत्वावधान में गुरुवार को बसीर गैरेज स्थित प्रखंड कांग्रेस कार्यालय में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं आधुनिक भारत के निमार्ता स्वर्गीय राजीव गांधी की 82वीं जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष रंजीत टुडू ने की। वहीं मुख्य अतिथि के रूप में जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरूआत राजीव गांधी के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई।इस दौरान कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकताओं ने उन्हें नमन करते हुए उनके बताए आदर्शों और विचारों पर चलने का संकल्प लिया।इसके बाद कार्यकताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर राजीव गांधी की जयंती की शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष बरकत खान ने कहा कि राजीव गांधी जी

ने देश को आधुनिकता और विकास की नई दिशा देने का काम किया।सूचना एवं प्रौद्योगिकी,संचार तथा पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा।उन्होंने कहा कि राजीव गांधी का सपना था कि देश का युवा आधुनिक शिक्षा और तकनीक से सशक्त होकर भारत को प्रगति के पथ पर आगे ले जाए।प्रखंड कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष रंजीत टुडू ने कहा कि राजीव गांधी जी आधुनिक भारत के निर्माण के साथ-साथ देश की एकता,अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए समर्पित नेता थे।उनकी जयंती पर सभी कांग्रेसजन उनके आदर्शों एवं विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और देश में एकता और भाईचारे को मजबूत करने का संकल्प लेते हैं।वहीं प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार दास ने कहा कि वर्तमान समय में राजीव गांधी जी की दूरदृष्टि और विचार पहले से भी अधिक प्रासंगिक हैं।युवाओं को सशक्त बनाना,तकनीक को आम लोगों तक पहुंचाना और लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकताओं ने राजीव गांधी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।साथ ही उनके बताए मार्ग पर चलने और देश की एकता,अखंडता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए सदैव समर्पित रहने का संकल्प लिया।इस अवसर पर मो नसीरुद्दीन,अश्वनी आनंद, भोलानाथ महतो,नेहाल अख्तर,संतोष झा,संतोष राम, अहमद,छोटेलाल रमानी,शारिक रब्बानी राजू आलमगीर मंसूरी सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

रहमान डकैत के बाद अक्षय खन्ना का शुक्राचार्य अवतार

हनु-मान की जबरदस्त सफलता के बाद फिल्ममेकर प्रशांत वर्मा अपने बहुप्रतीक्षित सिनेमाई यूनिवर्स के अगले अध्याय के साथ दर्शकों को एक नई दुनिया में ले जाने के लिए तैयार हैं। हाल ही में आरकेडी स्टूडियोज ने एक रहस्यमयी पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि 24 अगस्त झ्र दि एंड बिगिन्स। ऐसे में माना जा रहा है कि 24 अगस्त को महाकाली से अक्षय खन्ना का शुक्राचार्य के रूप में दिलचस्प अवतार सामने आएगा। यह झलक इस बहुप्रतीक्षित भारतीय पौराणिक सिनेमाई स्पेक्टेकल की पहली आधिकारिक झलक हो सकती है। अपने चुने हुए किरदारों से लगातार दर्शकों को चौंकाने के लिए पहचाने जाने वाले अक्षय खन्ना इस बार अपने रूपांतरण को एक नए स्तर पर ले जाते नजर आएंगे।

धुरंधर में अपनी शानदार मौजूदगी के बाद अभिनेता इस भूमिका में लगभग पहचान में नहीं आ रहे हैं। शुक्राचार्य के रूप में उनका पहला लुक पहले ही चर्चा और उत्सुकता पैदा कर चुका है। ऐसे में 24 अगस्त को सामने आने वाली पहली झलक से दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ने की उम्मीद है। पुराणों में असुरों के गुरु के रूप में वर्णित शुक्राचार्य शक्ति, ज्ञान और जटिल व्यक्तित्व वाला महत्वपूर्ण पात्र हैं। ऐसे में अक्षय खन्ना के अभिनय में इस किरदार की गंभीरता और प्रभावशाली व्यक्तित्व देखने को मिल सकता है। वहीं, प्रशांत वर्मा की भव्य दृश्य शैली इस पात्र को उनके सिनेमाई यूनिवर्स के अनुरूप एक अलग स्तर प्रदान करने की उम्मीद जगा रही है। हनु-मान की सफलता के बाद दर्शक लगातार यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि प्रशांत वर्मा अपने सिनेमाई यूनिवर्स में आगे क्या लेकर आने वाले हैं।

फिल्म ने भारतीय पौराणिक कथाओं को आधुनिक सिनेमाई भाषा में प्रस्तुत करने के साथ-साथ दृश्यात्मकता और विश्व-निर्माण के स्तर पर भी दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया था। ऐसे में 24 अगस्त को अक्षय खन्ना की पहली झलक के साथ महाकाली की दुनिया की पहली विस्तृत झलक मिलने की उम्मीद है। महाकाली प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स की हनु-मान के बाद अगली फिल्म है। आरके दुग्गल द्वारा प्रस्तुत और रिवाज रमेश दुग्गल के निर्माण में आरकेडी स्टूडियोज के बैनर तले बन रही इस फिल्म के रचनाकार प्रशांत वर्मा हैं, जबकि पूजा अपर्णा कोल्लुरु इसका निर्देशन कर रही हैं। फिल्म में अक्षय खन्ना के साथ भूमि शेट्टी, रोहित सराफ और कई अन्य प्रमुख कलाकार नजर आएंगे। भव्य सिनेमाई स्तर पर तैयार की जा रही महाकाली में भारतीय पौराणिक कथाओं से प्रेरित शक्तिशाली कथानक, शानदार दृश्य, विस्तृत विश्व-निर्माण और बड़े पैमाने की कहानी के जरिए दर्शकों को बड़े पर्दे का एक प्रभावशाली अनुभव देने का प्रयास किया गया है।

ह्यमिजार्पुर: द मूवी के लिए कालीन भैया की शहर में वापसी,फिर दिखेगा भौकाल

ह्यमिजार्पुर: द मूवी को लेकर फैंस के बीच एक्साइटमेंट लगातार बढ़ती जा रही है। 11 अगस्त को रिलीज हुए फिल्म के मच अवेटेड ट्रेलर को दर्शकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। ट्रेलर में बड़े भौकाल, गद्दी की जंग और ह्यमिजार्पुरह्न की दमदार दुनिया की झलक देखने के बाद अब फिल्म को लेकर बज और भी बढ़ गया है।

ट्रेलर को मिले इस शानदार रिस्पॉन्स के बीच फिल्म की स्टारकास्ट 22 अगस्त को लखनऊ पहुंची। अली फजल, दिव्येंदु शर्मा और जितेंद्र कुमार ने शहर में फिल्म का प्रमोशन किया और मीडिया से बातचीत की।

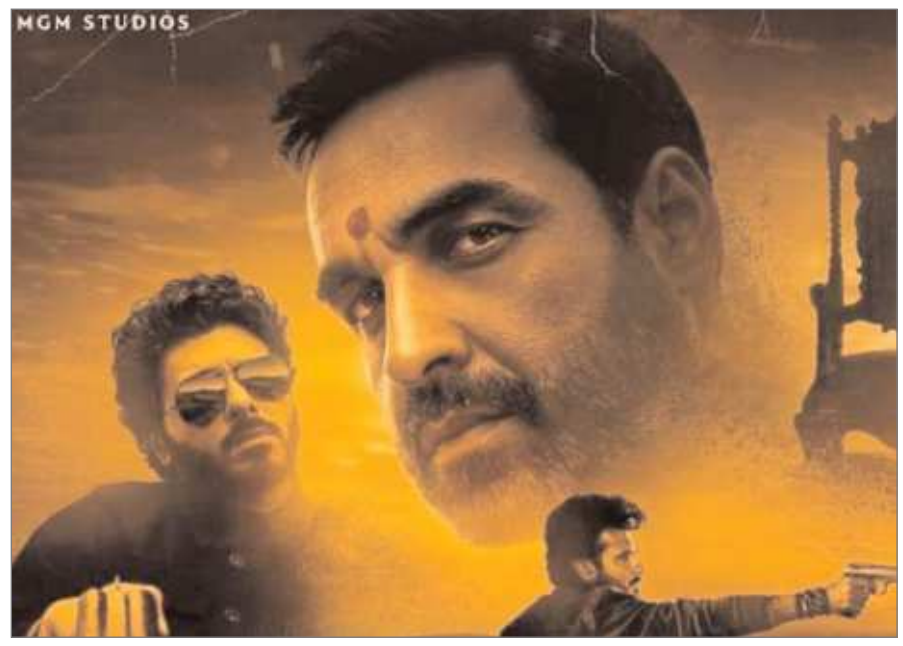

ह्यमिजार्पुर की कहानी और इसकी दुनिया का उत्तर प्रदेश से खास कनेक्शन रहा है। ऐसे में लखनऊ में फिल्म का प्रमोशन करना टीम के लिए भी खास रहा। जिसके बाद अब मिजार्पुरः द मूवी के स्टार्स पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु शर्मा और जितेंद्र कुमार 22 अगस्त 2026 को पटना का दौरा करेंगे। ट्रेलर और पहले गाने दो नंबरी को मिले शानदार रिस्पॉन्स के बाद अब फिल्म की रिलीज को लेकर दर्शकों की एक्साइटमेंट अपने चरम पर है। फिल्म की स्टारकास्ट में अली फजल, पंकज त्रिपाठी, दिव्येंदु शर्मा, अभिषेक बनर्जी, रसिका दुगल, मोहित मलिक, शीबा चड्ढा, राजेश तैलंग, प्रमोद पाठक, श्रिया पिलगांवकर, हर्षिता शेखर गौर, श्वेता त्रिपाठी और सोनल एस. चौहान भी शामिल हैं।

ह्यमिजार्पुरः द मूवी का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है और इसकी कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है। फिल्म को अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सेल एंटरटेनमेंट प्रस्तुत कर रहे हैं। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने इसे एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। फिल्म 4 सितंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में हिंदी और तेलुगु में रिलीज होगी।

दिशा पाटनी बनीं आवारापन 2 की पहली पसंद

बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी फिल्म आवारापन-2 के लिए निमार्ताओं की पहली पसंद थीं। फिल्म में पहली बार इमरान हाशमी और दिशा पाटनी की जोड़ी साथ नजर आ रही है और दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। फिल्म के निमार्ता विशेष भट्ट ने दिशा को मुख्य अभिनेत्री के तौर पर चुने जाने की वजह बताते हुए कहा कि उनका अब तक का सफर और उनकी व्यक्तित्व की खासियत इस किरदार के लिए बिल्कुल उपयुक्त थी।

उन्होंने कहा कि इमरान और दिशा को एक साथ पर्दे पर देखना दिलचस्प है, क्योंकि इससे पहले दोनों कलाकारों को साथ नहीं देखा गया है। विशेष भट्ट ने कहा कि दिशा का अपना एक अच्छा काम है। मैंने उन्हें मोहित सूरी की फिल्म मलंग में देखा है। मैं उनसे वर्ष 2012 या 2013 में मिला था, जब उन्होंने अपने करियर की शुरूआत ही की थी। उन्होंने कहा कि दिशा की खूबसूरती के अलावा उनकी अपनी खास शख्सियत है। फिल्म में उनका किरदार आधुनिक और आज के समय से जुड़ा हुआ है तथा दूसरे देश में रह रहा है। उन्होंने कहा कि इस किरदार को श्रीया सरन के किरदार से जानबूझकर अलग रखा गया है और दिशा इस भूमिका के लिए बिल्कुल सही लगीं। गौरतलब है कि आवारापन 2 में इमरान हाशमी और दिशा पाटनी की जोड़ी पहली बार साथ दिखाई दे रही है। फिल्म को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है और बॉक्स ऑफिस पर भी इसका प्रदर्शन बेहतर बताया जा रहा है।

94 की उम्र में सौकार जानकी की बिगड़ी तबीयत आईसीयू में चल रहा इलाज, हालत नाजुक

साउथ इंडस्ट्री की वरिष्ठ अभिनेत्री सौकार जानकी की सेहत को लेकर चिंताजनक खबर सामने आई है। 94 वर्षीय अभिनेत्री की तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद उन्हें चेन्नई के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि उनकी हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें क्र्व में रखा है, जहां उनकी निगरानी में इलाज किया जा रहा है। सौकार जानकी के अस्पताल में भर्ती होने की खबर से फिल्म इंडस्ट्री के साथ-साथ उनके चाहने वालों की भी

अचानक अस्पताल के किया गया भर्ती: मीडिया में सामने आई जानकारी के मुताबिक, 94 वर्षीय दिग्गज अभिनेत्री सौकार जानकी की तबीयत अचानक खराब हो गई, जिसके बाद उन्हें फौरन अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों की एक टीम लगातार उनकी सेहत पर नजर रख रही है और जरुरी इलाज किया जा रहा है। हालांकि, उनकी तबीयत बिगड़ने की वजह क्या है, इसे लेकर अभी अस्पताल प्रशासन या परिवार की तरफ से कोई आधिकारिक जानकारी शेयर नहीं की गई है।

परेशान हुए फैंसः एक्ट्रेस की इस खबर को सुनने के बाद उनके फैंस काफी परेशान हो गए हैं और लगातार उनकी अच्छी सेहत की दुआ कर रहे हैं। तेलुगु फिल्म से की थी अपने करियर की शुरूआत : सौकार जानकी ने अपने फिल्मी सफर की शुरूआत साल 1950 में तेलुगु फिल्म शावकारु से की थी। इसके दो साल बाद, 1952 में उन्होंने वलयपति के जरिए तमिल सिनेमा में कदम रखा। अपने लंबे और शानदार करियर के दौरान उन्हें तमिल, तेलुगु और मलयालम जैसी भाषाओं की कई चर्चित और यादगार फिल्मों में अपनी दमदार अदाकारी से दर्शकों का दिल जीता। 400 से ज्यादा फिल्मों में कर चुकीं हैं काम : आपको बता दें की अपने करियर में एक्ट्रेस ने 400 से भी ज्यादा फिल्मों में काम किया है। पुथिया परवई , महाकवि कालिदास , एथिर नीचल और थिल्लू मुल्लू जैसी फिल्मों में उन्हें अपने फैंस से खूब प्यार मिला है। इसके अलावा वह कमल हासन की चर्चित फिल्म हे राम का भी हिस्सा रही थीं। सौकार जानकी को आखिरी बार साल 2020 में रिलीज हुई फिल्म बिस्कोथ में देखा गया था।

बीसीसीआई ने जारी किया दलीप ट्रॉफी का शेड्यूल बंगलुरु के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होगा फाइनल मैच

नई दिल्ली: बीसीसीआई ने गुरुवार को दलीप ट्रॉफी 2026 के शेड्यूल का ऐलान कर दिया है। पहले दो क्वार्टर फाइनल खेले जाएंगे और फिर दो सेमीफाइनल मैचों का आयोजन होगा। इसके बाद फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट की शुरूआत 23 अगस्त से होने जा रही है। बंगलुरु में क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल मैच आयोजित होंगे, जबकि फाइनल मुकाबले के लिए बीसीसीआई ने बंगलुरु के एमए चिदंबरम स्टेडियम को चुना है। दलीप ट्रॉफी के पहले क्वार्टर फाइनल मैच में ईस्ट जोन के सामने नॉर्थ ईस्ट जोन टीम होगी। ये मुकाबला 23 अगस्त से शुरू होगा और 26 अगस्त तक खेला जाएगा। बंगलुरु स्थित

बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस यानी सीओई के ग्राउंड-2 में मैच आयोजित होगा, जबकि दूसरा क्वार्टर फाइनल मैच नॉर्थ जोन वर्सेस वेस्ट जोन होगा। ये मुकाबला भी इसी दिन से शुरू होगा और सीओई के ग्राउंड-1 में आयोजित होगा। हारने वाली टीम बाहर हो जाएगी, जबकि जीतने वाली आगे सेमीफाइनल खेलेगी। इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहले से ही सेंट्रल जोन और साउथ जोन हैं। 30 अगस्त से सेमीफाइनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के ग्राउंड-1 और 2 में आयोजित होंगे। पहला सेमीफाइनल मैच सेंट्रल जोन और क्वार्टर फाइनल-1 की विजेता टीम के बीच ग्राउंड 1 में आयोजित होगा, जबकि दूसरा सेमीफाइनल मैच साउथ जोन और क्वार्टर फाइनल 2 की विजेता टीम के बीच आयोजित होगा। 30 अगस्त से दो सितंबर तक बीसीसीआई के सीओई स्थित ग्राउंड-2 में यह मैच आयोजित होगा। वहीं, फाइनल मुकाबला दलीप ट्रॉफी का चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में आयोजित होगा। इस टूर्नामेंट में आपको नजर कई बड़े नाम आने वाले हैं। वैभव सूर्यवंशी से लेकर तिलक वर्मा, रजत पाटीदार, ईशान किशन और ऋतुराज गायकवाड़ जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

प्रीति जिंटा का दमदार बॉस-लेडी अवतार वाइब के पोस्टर ने मचाई हलचल

अमेजन एमजीएम स्टूडियोज ने अपनी बहुप्रतीक्षित थिएट्रिकल फिल्म वाइब का नया टीजर पोस्टर जारी कर दिया है। पोस्टर के सामने आते ही फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है। चार अलग-अलग किरदारों के साथ नजर आ रहा यह पोस्टर कई सवाल खड़े करता है और संकेत देता है कि फिल्म की कहानी में रोमांच के साथ-साथ भरपूर कॉमेडी और ट्विस्ट देखने को मिलने वाले हैं।

पोस्टर में प्रीति जिंटा एक दमदार और कॉन्फिडेंट बॉस-लेडी के अवतार में नजर आ रही हैं। वहीं दूसरी ओर कुणाल खेमू, स्पर्श श्रीवास्तव और वंशिका धीर काफी परेशान और असमंजस में दिखाई दे रहे हैं। इन चारों के बीच का यह दिलचस्प कॉन्ट्रास्ट पोस्टर

को और भी रहस्यमयी बनाता है। आखिर इन किरदारों का आपस में क्या कनेक्शन है और वे किस मुसीबत में फंसे हैं, इसका जवाब फिल्म के टीजर में मिलने की उम्मीद है।

वाइब की कहानी दो जिगरी दोस्तों की जिंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनकी सामान्य जिंदगी अचानक एक अनजान और हाई-एनर्जी एडवेंचर में बदल जाती है। देखते ही देखते यह सफर उनके लिए ऐसी चुनौती बन जाता है, जहां उन्हें न सिर्फ मुश्किल हालात से निकलने की कोशिश करनी है, बल्कि अपनी दोस्ती की भी परीक्षा देनी है।

फिल्म को कुणाल खेमू ने लिखा और निर्देशित किया है। इसका निर्माण कुणाल खेमू और चिराग निहलानी ने ड्रोंगो फिल्म्स के बैनर तले किया है। फिल्म में कुणाल खेमू के साथ प्रीति जी जिंटा, स्पर्श श्रीवास्तव और डेब्यूटेंट वंशिका धीर मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

फिल्म का टीजर आज यानी 21 अगस्त को रिलीज होने वाला है। टीजर के जरिए दर्शकों को इस अनोखी चौकड़ी की दुनिया और उनके हाई-स्टेक्स एडवेंचर की पहली झलक देखने को मिलेगी।

पीवी सिंधु बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप से बाहर चीन की तीसरी सीड वांग झी यी ने हराया

नई दिल्ली: भारत की पीवी सिंधु बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप से बाहर हो गई हैं। उन्हें वूमंस सिंगल्स के राउंड ऑफ 16 मैच में चीन की तीसरी सीड वांग झी यी ने 11-21, 21-15, 17-21 से हराया। यह मैच एक घंटे 28 मिनट तक चला। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में चल रही चैंपियनशिप में गुरुवार को चीन की खिलाड़ी क्रैम्प्स से परेशान दिखीं। इसके बावजूद उन्होंने भारतीय स्टार सिंधु को हरा दिया। इसी के साथ सिंगल्स कैटेगरी में भारत की चुनौती समाप्त हो गई है। सिंधु से पहले आयुष को इंडोनेशिया के अल्वी फरहान ने उन्हें 45 मिनट में 21-19, 21-11 से हराया।

ध्रुव-तनिषा की जोड़ी चीनियों से हारीः मिक्स्ड डबल्स के राउंड ऑफ 16 में ध्रुव कपिला और तनिषा क्रास्टो को पराजय का सामना करना पड़ा है। 15वीं सीड भारतीय जोड़ी को चीन के गुओ शिन वा और चेन फांग हुई के खिलाफ 16-21, 5-21 हार झेलनी पड़ी है। यह मैच 31 मिनट तक चला। ध्रुव और तनिषा ने पिछले मैच में मकाऊ के लियोंग लोक चोंग और एन वेंग ची को 21-11, 21-11 से हराया था। मेंस डबल्स के राउंड ऑफ 16 में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का मुकाबला मलेशिया के जुनैदी अरिफ और रॉय किंग याप से होना है।

हेप्टाथलॉन गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट स्वप्ना बर्मन डोप टेस्ट में पॉजिटिव, नाडा ने किया सस्पेंड

नई दिल्ली: भारत की एथलीट और 2018 एशियन गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट स्वप्ना बर्मन डोप टेस्ट में पॉजिटिव पाई गई हैं। नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी ने उन्हें सस्पेंड कर दिया है। 29 साल की स्वप्ना के सैंपल में बोल्डेनोन नाम का प्रतिबंधित पदार्थ मिला है। स्वप्ना ने इसी महीने एथलेटिक्स से संन्यास का ऐलान किया था। उन्होंने चोटों शरीर को फिट नहीं बताते हुए अपना करियर खत्म करने का फैसला लिया था। स्वप्ना बर्मन ने 2018 जकार्ता एशियन गेम्स में हेप्टाथलॉन में गोल्ड मेडल जीता था। वह एशियन गेम्स

में हेप्टाथलॉन का गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट बनी थीं। हेप्टाथलॉन एथलेटिक्स का मिक्स्ड इवेंट है। इसमें खिलाड़ी दो दिनों में सात इवेंट्स में हिस्सा लेते हैं। इनमें 100 मीटर बाधा दौड़, ऊंची कूद, गोला फेंक, 200 मीटर, लंबी कूद, भाला फेंक और 800 मीटर शामिल हैं। स्वप्ना ने एशियन चैंपियनशिप में भी गोल्ड मेडल जीता था।

वह 2016 रियो ओलिंपिक में भारत को रिप्रेजेंट कर चुकी हैं। स्वप्ना ने अगस्त 2026 की शुरूआत में ही एथलेटिक्स से संन्यास की घोषणा की थी। डोपिंग मामले में नाडा की कार्रवाई प्रोविजनल सस्पेंशन तक है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, उन्हें इस मामले में अंतिम रूप से दोषी ठहराए जाने की बात सामने नहीं आई है। नाडा के मुताबिक, स्वप्ना के सैंपल में बोल्डेनोन पाया गया। यह एनाबॉलिक-एंड्रोजेनिक स्टेरॉयड की श्रेणी का प्रतिबंधित पदार्थ है। एथलेटिक्स के अलावा स्वप्ना ने हाल ही में राजनीति में भी कदम रखा था। 2026 पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में उन्होंने राजगंज विधानसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा था। उन्हें बीजेपी के दिनेश सरकार ने 21,477 वोटों के अंतर से हराया था।

न्यूज ब्रीफ

कांग्रेस नेता सज्जन कुमार का तिहाड़ जेल में निधन, सिख विरोधी दंगों में काट रहे थे उम्रकैद

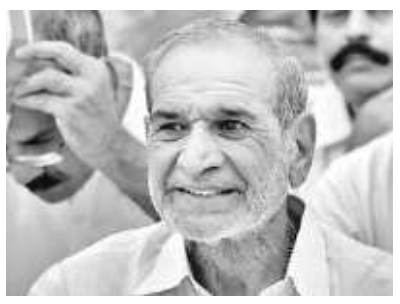

नई दिल्ली: कांग्रेस के दिग्गज नेता एवं पूर्व लोकसभा सांसद सज्जन कुमार का गुरुवार को तिहाड़ जेल में निधन हो गया। वह 1984 के सिख दंगों में दोषी पाए जाने के बाद उम्रकैद काट रहे थे। हालांकि, तीन में से एक मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने जनवरी में उन्हें बरी कर दिया था। तब अदालत ने यह फैसला सबूतों की कमी का हवाला देते हुए सुनाया था।

खबर है कि राजधानी दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनका निधन हो गया था। सफदरजंग अस्पताल ने मौत की पुष्टि कर दी है। सज्जन सिंह का जन्म 23 सितंबर, 1945 को हुआ था। वह साल 1977 में दिल्ली में पार्षद बने थे। बाद में वह कांग्रेस की दिल्ली इकाई के सचिव बने। उन्हें पूर्व पीएम संजय गांधी का करीबी माना जाता था। साल 1980 में उन्होंने आउटर दिल्ली क्षेत्र से लोकसभा चुनाव में जीत हासिल की। बाद में वह 1991 और 2004 में भी लोकसभा चुनाव जीते थे।

कॉकरोचो पर पुलिस एक्शन की जांच को लेकर हाई पावर्ड कमेटी गठित, समिति में रिटायर्ड जज, सीबीआई के पूर्व अफसर

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संसद मार्च के दौरान पुलिस की कार्रवाई के आरोपों की जांच के लिए गुरुवार को पांच सदस्यों की हाई पावर्ड कमेटी के नामों का ऐलान किया। कमेटी का अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस आर सुभाष रेड्डी को बनाया गया है। इसमें पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस रवि शंकर झा, दिल्ली हाईकोर्ट की पूर्व जज जस्टिस शलिंदर कौर, सीबीआई के पूर्व डायरेक्टर ऋषि कुमार शुक्ला और मेघालय के रिटायर्ड डीजीपी डा. एलआर बिश्नोई शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने 18 अगस्त को सुनवाई के दौरान इस कमेटी को बनाने का फैसला लिया था। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पैलेटगन इस्तेमाल करने और महिलाओं से बदसलूकी के आरोप लगाए थे। बता दें कि नीट पेपर लीक और परीक्षाओं में गड़बड़ी को लेकर सीजेपी का प्रदर्शन जंतर-मंतर पर 36 दिन चला था और 25 जुलाई को शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद खत्म हुआ था।

समंदर में बिना रोक-टोक चलें जहाज, भारत और जापान के बीच फ्री नेवीगेशन पर बनी सहमति

नई दिल्ली: भारत और जापान एक अंतरराष्ट्रीय मुद्दे पर सहमत हुए हैं। दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों की बातचीत के बाद पहली बार भारत-जापान ने डिफेंस मिनिस्टर स्तर पर ज्वॉइंट स्टेटमेंट जारी किया है। ज्वॉइंट स्टेटमेंट में चीन को परोक्ष तरीके से संदेश भी दिया गया। इसमें कहा गया कि भारत और जापान नौवहन की स्वतंत्रता (फ्री नेविगेशन) पर बाधा डालने की एकतरफा कार्रवाइयों का विरोध करते हैं। सूत्रों के मुताबिक भारत ने जापान से पाकिस्तान को एडवांस टेक्नोलॉजी देने से बचने का आग्रह किया है।

भारत ने पाकिस्तान और नॉर्थ कोरिया के संबंधों का हवाला देते हुए चेताया कि ऐसी तकनीक पाकिस्तान के जरिए नॉर्थ कोरिया तक पहुंच सकती है। भारत और जापान ने गुरुवार को समुद्री सुरक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए एक समझौता भी किया। दोनों देशों ने फ्री और ओपन हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए सैन्य सहयोग को और मजबूत करने का संकल्प लिया। ये जॉइंट स्टेटमेंट ऐसे समय में आया है जब क्षेत्र में चीन अपनी सैन्य ताकत लगातार बढ़ा रहा है।

पूर्व सेना प्रमुख ने चेताया

पाकिस्तान नहीं चीन हमारे लिए सबसे बड़ा खतरा, सेना को तैयार रहना चाहिए

नई दिल्ली/ऐंसी: पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर बड़ा और दूरदर्शी बयान दिया है। अपनी नई पुस्तक के विमोचन के मौके पर उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की ओर से आतंकवाद की चुनौती के चलते फिलहाल भारत का ध्यान पश्चिमी सीमा पर अधिक केंद्रित है, लेकिन लंबी अवधि में चीन भारत का मुख्य प्रतिद्वंद्वी बनकर उभरेगा।

जनरल नरवणे ने चीन के लिए दुश्मन शब्द का इस्तेमाल करने से परहेज करते हुए कहा कि भारत को चीन के साथ बातचीत और कूटनीति का रास्ता खुला रखना चाहिए। साथ ही, किसी भी संभावित चुनौती से निपटने के लिए अपनी सैन्य क्षमता और प्रतिरोधक शक्ति को लगातार मजबूत करना जरूरी है।

पूर्व सेना प्रमुख ने कहा कि पाकिस्तान और चीन दोनों के साथ

भारत के सीमा विवाद अनसुलझे हैं और दोनों देशों के साथ भारत का युद्ध का इतिहास भी रहा है। हालांकि, दोनों देशों से मिलने वाली चुनौतियां अलग-अलग हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के लगातार आतंकवाद को समर्थन देने के कारण भारत का तत्काल ध्यान पश्चिमी सीमा पर रहता है। वहीं, लंबे समय में चीन राजनीति, अर्थव्यवस्था, व्यापार और सैन्य क्षेत्र समेत लगभग हर मोर्चे पर भारत का प्रमुख प्रतिद्वंद्वी बन सकता है। नरवणे ने कहा कि जहां प्रतिस्पर्धा होती है, वहां संघर्ष की संभावना भी बनी रहती है। जनरल नरवणे ने कहा कि भारत को विवादों और मतभेदों को बल प्रयोग के बजाय कूटनीतिक माध्यमों और बातचीत के जरिए सुलझाने का प्रयास करना चाहिए। सैन्य शक्ति का इस्तेमाल हमेशा अंतिम विकल्प होना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि संभावित दुस्साहस को रोकने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों को हर समय पूरी तरह तैयार रहना होगा। उनके मुताबिक, शांति बनाए रखने के लिए मजबूत सैन्य प्रतिरोधक क्षमता जरूरी है। एक प्रभावी सैन्य निरोध ही किसी संभावित हमले या दुस्साहस को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा करते हुए नरवणे ने नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और म्यांमार जैसे पड़ोसी देशों में शांति और स्थिरता बनाए रखने को भारत के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इंसान की तरह कोई देश भी अपने पड़ोसी नहीं चुन सकता। ऐसे में मौजूदा परिस्थितियों के बीच बेहतर संबंध और स्थिरता कायम रखने के लिए हरसंभव प्रयास करना जरूरी है।

उन्होंने चेतावनी दी कि किसी पड़ोसी देश में अस्थिरता, हिंसा या शरणार्थी संकट पैदा होने का सीधा असर भारत की सुरक्षा पर पड़ सकता है। इससे तस्करी और अवैध हथियारों की आवाजाही जैसी चुनौतियां भी बढ़ सकती हैं। इसलिए भारत के अपने शांति, सुरक्षा और विकास के हित में पड़ोसी देशों में स्थिरता बनाए रखना बेहद जरूरी है।

दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज पर 100 की रफ्तार से दौड़ी वंदे भारत ट्रेन

रेलवे मंत्रालय ने बढ़ाई अधिकतम रफ्तार, यात्रा समय घटेगा पर्यटन और व्यापार को मिलेगा बढ़ावा

एजेंसी/ श्रीनगर: जम्मू-कश्मीर में रेलवे ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। रियासी में दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज चिनाब रेल ब्रिज पर पहली बार वंदे भारत ट्रेन करीब 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ी। ऊंचे पहाड़ों और मुश्किल रेल सेक्शन के बीच तेज रफ्तार से गुजरती वंदे भारत का वीडियो नॉर्दर्न रेलवे ने अपने एक्स हैंडल पर शेयर किया है। नॉर्दर्न रेलवे के जम्मू डिवीजन में श्री माता वैष्णो देवी कटरा से बनिहाल के बीच 111 किलोमीटर लंबे नए ब्रॉड गेज रेल सेक्शन पर ट्रेनों की अधिकतम रफ्तार बढ़ाने की मंजूरी रेलवे मंत्रालय ने दी थी। नई मंजूरी के बाद इस पूरे रेल सेक्शन पर ट्रेनों की अधिकतम तय रफ्तार 100 किलोमीटर प्रति घंटा कर दी गई है। अब रफ्तार बढ़ जाने से इस मुश्किल पहाड़ी रेल मार्ग पर ट्रेन संचालन और तेज हो सकेगा। इससे यात्रा का समय घटेगा, साथ ही जम्मू-कश्मीर कनेक्टिविटी भी मजबूत होगी। इससे पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा।

इमरान खान की मौत की अफवाहों पर लगा विराम, जांच के बाद फिर अदियाला जेल भेजे गए, सेहत को लेकर समर्थकों में चिंता

नई दिल्ली/एजेंसी: पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान को शुक्रवार तड़के इस्लामाबाद के एक प्राइवेट अस्पताल 'शिफा इंटरनेशनल' ले जाया गया, लेकिन कुछ ही घंटों बाद उन्हें दोबारा रावलपिंडी की अदियाला जेल वापस भेज दिया गया। 73 वर्षीय पूर्व क्रिकेटर की सेहत को लेकर लंबे समय से चिंता जताई जा रही थी, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल लाया गया था। यह घटनाक्रम तब हुआ जब पाकिस्तानी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक रिव्यू पिटीशन (पुनर्विचार याचिका) दायर की। इसमें कोर्ट से उस आदेश पर फिर से विचार करने का आग्रह किया गया था, जिसके तहत उन्हें इलाज के लिए प्राइवेट अस्पताल भेजने को कहा गया था।

क्रिकेटर से राजनेता बने 73 वर्षीय इमरान खान, जो पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक हैं, को अदियाला जेल से शिफा इंटरनेशनल हॉस्पिटल ले जाया गया था। पीटीआई के प्रवक्ता जुल्फी बुखारी ने एएफपी से बात करते हुए इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन किया गया है।

खान, जो 2018 से 2022 तक प्रधानमंत्री रहे, अपनी सरकार और पाकिस्तानी सेना के बीच तनाव के दौरान अविश्वास प्रस्ताव के बाद सत्ता से हटा दिए गए थे। बाद में, भ्रष्टाचार के एक मामले में दोषी पाए जाने पर उन्हें और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को 17 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी।

2023 से खान अदियाला जेल में हैं और उनकी सेहत को लेकर बार-बार चिंता जताई जाती रही है। उनकी पार्टी का आरोप है कि उन पर लगाए गए आरोप झूठे और राजनीतिक रूप से प्रेरित हैं। पार्टी का कहना है कि उनकी सेहत खराब है। कई अपुष्ट खबरों में यह भी दावा किया गया था कि जेल में खान की मौत हो गई है, लेकिन शुक्रवार के घटनाक्रम ने उनके समर्थकों को राहत दी है। बाद में वे उनके समर्थन में नारे लगाने के लिए शिफा इंटरनेशनल हॉस्पिटल के बाहर जमा हुए। खान की पार्टी पीटीआई के समर्थक 52 वर्षीय बिलाल ने पीटीआई से कहा, मिस्टर खान के साथ हमारा प्यार और जुड़ाव बना रहेगा।

इस बीच, पाकिस्तानी सरकार ने देश की शीर्ष अदालत में एक रिव्यू पिटीशन दायर की है। सरकार का कहना है कि कोर्ट को उस आदेश में बदलाव करना चाहिए जो मंगलवार को जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री को इलाज के लिए प्राइवेट अस्पताल भेजने के लिए दिया गया था।

राजनीतिक मामलों में प्रधानमंत्री के सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने कहा है कि खान को दी गई राहत कानून के मुताबिक नहीं है। समाचार एजेंसी ढळक ने उनके हवाले से कहा, सरकार ने फिर से एक रिव्यू पिटीशन दायर की है। हालांकि, पीटीआई ने, जिसने बार-बार खान की जान को खतरा होने का दावा किया है, कहा है कि सरकार को अपनी रिव्यू पिटीशन वापस लेनी चाहिए। पीटीआई के सेक्रेटरी जनरल सलमान अकरम राजा ने कहा, 18 अगस्त के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन न करने का कोई बहाना नहीं हो सकता। इमरान खान साहब को तुरंत शिफा इंटरनेशनल हॉस्पिटल में शिफ्ट किया जाना चाहिए।

बिना टॉवर और केबल के दौड़ेगा सुपरफास्ट इंटरनेट, भारत में स्टारलिंक लॉन्च करने की तैयारी में एलेन मस्क

नई दिल्ली : दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपति एलन मस्क भारत के टेलीकॉम और इंटरनेट सेक्टर में बड़ा धमाका करने की पूरी तैयारी में हैं। मस्क अपनी बहुचर्चित सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस ह्यस्टारलिंकह्न को भारत में उतारने के लिए लगातार जमीन तैयार कर रहे हैं। इसी बीच उनका एक सोशल मीडिया पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने भारत के उन सुदूर और ग्रामीण इलाकों में हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचाने का बड़ा विजन साझा किया है, जहां आज भी पारंपरिक मोबाइल नेटवर्क या 4ञ्ज कनेक्टिविटी दम तोड़ देती है।

ग्रामीण भारत में कनेक्टिविटी की खाई पाटने पर नजर: एलन मस्क ने हाल ही में एक पोस्ट को री-पोस्ट करते हुए साफ किया कि स्टारलिंक का मुख्य फोकस भारत के उन इलाकों तक पहुंचना है, जहां इंटरनेट की पहुंच बेहद सीमित है। उन्होंने जिस रिपोर्ट का हवाला दिया, उसमें बताया गया है कि देश के तमाम गांवों में अब भी स्थिर 4जी नेटवर्क का अभाव है और शहरों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट डेंसिटी काफी कम है। मस्क का मानना है कि स्टारलिंक सीधे अंतरिक्ष से सिग्नल भेजकर इन दुर्गम इलाकों के डिजिटल अंधेरे को हमेशा के लिए दूर कर सकती है।

बिना मोबाइल टॉवर के कैसे काम करती है यह जादुई तकनीक? : स्टारलिंक की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे काम करने के लिए जमीन पर किसी भी तरह के भारी-भरकम मोबाइल टॉवर या ऑप्टिकल फाइबर केबल के जाल की जरूरत नहीं होती। यह पूरी तरह से लो अर्थ ऑर्बिट सैटेलाइट्स पर आधारित इंटरनेट प्रणाली है। इस सर्विस का लाभ उठाने के लिए उपभोक्ता को केवल अपने घर या इमारत की छत पर एक छोटा सा डिश एंटीना (रिसीवर) लगाना होता है, जो सीधे अंतरिक्ष में मौजूद सैटेलाइट्स से सिग्नल पकड़कर यूजर को बिजली जैसी तेज इंटरनेट स्पीड मुहैया कराता है।

महात्मा गांधी की पांडुलिपि 16.2 करोड़ में नीलाम, बना विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली: महात्मा गांधी द्वारा अपने करीबी सहयोगी और स्वतंत्रता सेनानी आनंद टी. हिंगोरानी के लिए लिखे गए 688 ऑटोग्राफ वाले विचारों का संग्रह नीलामी में 16.20 करोड़ रुपए में बिका है। यह किसी भी भारतीय ऐतिहासिक दस्तावेज के लिए नीलामी में मिली अब तक की सबसे बड़ी राशि है, जिसने एक नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है। यह संग्रह महात्मा गांधी और उनके अनुयायियों के बीच हुए पत्राचार के सबसे निजी और सुरक्षित बचे हुए दस्तावेजों में से एक माना जाता है। आनंद टी. हिंगोरानी की पत्नी विद्या के निधन के बाद गांधीजी ने लगातार दो सालों तक उन्हें प्रतिदिन हाथ से लिखकर संदेश भेजे थे। इन रोजाना लिखे गए संदेशों का उद्देश्य हिंगोरानी को सांत्वना देना, उनका मार्गदर्शन करना और दुख की घड़ी में उनका हौसला बढ़ाना था। आगे चलकर इन संदेशों को अ थॉट फॉर द डे नाम की पुस्तक के रूप में संकलित किया गया था।

स्कूल निरीक्षण करने पहुंची सीजेपी टीम को ग्रामीणों ने खदेड़ा, गाड़ियों में तोड़फोड़ और मारपीट का आरोप

भैंसों के तबेले में चल रहा था सरकारी स्कूल?

जयपुर : राजस्थान की राजधानी जयपुर में सरकारी स्कूलों की बदहाल व्यवस्था का जायजा लेने पहुंची कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की टीम का शुक्रवार को ग्रामीणों ने जमकर विरोध किया। बगरू विधानसभा क्षेत्र के रामपुरा कंवरपुरा गांव स्थित राजकीय प्राथमिक स्कूल में निरीक्षण के दौरान सीजेपी कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों के बीच धक्का-मुक्की हो गई। इसके बाद ग्रामीणों ने टीम को गांव से बाहर खदेड़ दिया। सीजेपी ने आरोप लगाया कि इस दौरान उसके कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की गई और कई वाहनों में तोड़फोड़ की गई।

सीजेपी के सह-संयोजक आशुतोष रांका के मुताबिक, संगठन की टीम स्कूल का निरीक्षण करने पहुंची थी। उनका दावा है कि यह स्कूल पिछले कई वर्षों से जर्जर भवन के कारण भैंसों के बाड़े में चल रहा है। रांका ने आरोप लगाया कि टीम के पहुंचने से पहले ही बीजेपी समर्थक लोग वहां मौजूद थे और उन्होंने सीजेपी कार्यकर्ताओं का विरोध शुरू कर दिया।

रांका ने आरोप लगाया कि स्वयंसेवकों पर हमला किया गया,

वाहनों के शीशे और मोबाइल फोन तोड़े गए तथा एक महिला कार्यकर्ता के साथ मारपीट की गई। उन्होंने दावा किया कि उनकी शर्ट फाड़ दी गई और टीम के एक सदस्य का हाथ टूट गया। उनके मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने पत्थर भी फेंके।

रांका ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को चेतावनी देते हुए कहा कि आरोपियों को 48 घंटे के भीतर गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं होने पर संगठन पूरे राजस्थान में आंदोलन करेगा और इस बार शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग भी की जाएगी।

सीजेपी कार्यकर्ता शिवांगी शर्मा ने आरोप लगाया कि ग्रामीणों ने संगठन के कार्यकर्ताओं को आतंकवादी और नक्सली तक कहा। उन्होंने कहा कि संगठन किसी दूसरे देश या बाहरी ताकत से नहीं आया है, बल्कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की सुविधाओं और शिक्षा व्यवस्था की स्थिति देखने के लिए पहुंचा था।

दरअसल, सीजेपी की टीम शुक्रवार सुबह रामपुरा कंवरपुरा स्थित राजकीय प्राथमिक स्कूल का निरीक्षण करने पहुंची थी। टीम के पहुंचने से पहले ही बड़ी संख्या में ग्रामीण गांव के मुख्य रास्ते पर जमा हो गए थे। ग्रामीण आने-जाने वाले वाहनों की जांच करते नजर आए। टीम के स्कूल पहुंचते ही विरोध शुरू हो गया और देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की हो गई। विरोध कर रहे ग्रामीणों और बीजेपी कार्यकर्ताओं का कहना है कि स्कूल की व्यवस्था सुधारने के लिए सरकार ने करीब 12.50 लाख रुपये स्वीकृत किए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि वे अपने स्तर पर स्कूल की व्यवस्थाओं में सुधार करेंगे और किसी बाहरी संगठन को स्कूल में आकर निरीक्षण करने की अनुमति नहीं देंगे। हालांकि, स्कूल की बदहाल स्थिति भी सामने आई है। स्कूल भवन की पट्टियां टूटने के बाद बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए भवन को बंद कर दिया गया है। करीब 50 मीटर दूर एक बाड़े में वैकल्पिक व्यवस्था की गई है, जहां बच्चे टीनशेड के नीचे पढ़ने को मजबूर हैं। आसपास पशुओं के लिए चारा रखा हुआ है और जर्जर दीवारों से ईंटें भी गिर चुकी हैं। सीजेपी ने आरोप लगाया है कि सरकारी स्कूलों की बदहाल स्थिति सामने आने से रोकने के लिए सरकार ने स्कूलों में आम जनता और मीडिया के प्रवेश पर पाबंदी लगा रखी है। संगठन ने स्पष्ट किया कि वह सरकारी स्कूलों की वास्तविक स्थिति सामने लाने का अभियान जारी रखेगा।

सीजेपी टीम के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 11:30 बजे वाटिका रोड स्थित भट्ठा वाला राजकीय सरकारी स्कूल का भी निरीक्षण किया जाना है। टीम यहां स्कूल की शैक्षणिक व्यवस्था, विद्यार्थियों को मिल रही सुविधाओं, भवन और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ शिक्षकों और विद्यार्थियों से भी बातचीत करेगी। फिलहाल रामपुरा कंवरपुरा में सीजेपी के विरोध में ग्रामीणों का धरना जारी है। स्कूल निरीक्षण को लेकर शुरू हुआ विवाद अब राजस्थान की शिक्षा व्यवस्था और सरकारी स्कूलों में बाहरी संगठनों की एंट्री के मुद्दे पर राजनीतिक बहस का रूप लेता नजर आ रहा है।

न्यूज IN ब्रीफ

बासुकीनाथ में 118 किलो मिलावटी पेड़ा जब्त, कई दुकानों से एक्सपायर्ड कोल्ड्रिंक्स बरामद

दुमका : श्रावणी मेला बासुकीनाथ में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने बासुकीनाथ में चल रहे खाद्य सामग्री की दुकानों, चाय नाश्ता की दुकानों, प्रसाद की दुकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। इसी बीच गुरुवार को भी टीम ने छापेमारी की, जिसमें कई दुकानों में फंगस लगी हुई पेड़ा पाई गई।

दरअसल, श्रावणी मेले के दौरान बासुकीनाथ में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान विभिन्न दुकानों में एक्सपायर्ड कोल्ड्रिंक्स सहित फंगस लगी पेड़ा पाया गया। जिसे जांच टीम ने मौके पर एक्सपायर्ड कोल्ड्रिंक्स सहित 118 किलोग्राम फंगस लगा पेड़ा जब्त कर नष्ट कराया गया। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी अंजना रानी मिंज ने बताया कि श्रावणी मेले में श्रद्धालुओं को शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध हो, इसे लेकर प्रतिदिन जांच अभियान चलाकर होटलों सहित विभिन्न खाद्य एवं पेय पदार्थों की दुकानों में बिक रहे सामग्रियों की जांच की जा रही है। जांच के क्रम में कुछ दुकानों में एक्सपायर्ड कोल्ड्रिंक्स, केमिकल युक्त हल्दी तथा 118 किलोग्राम फंगस लगा पेड़ा जब्त कर नष्ट कराया गया। साथ ही दुकानदारों को निर्धारित मानक के अनुरूप खाद्य सामग्री बेचने की सख्त हिदायत दी गई। उन्होंने बताया कि नकली एवं अशुद्ध खाद्य सामग्री बेचते हुए पकड़े जाने पर दुकानदारों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी तथा जुमार्ना भी वसूला जाएगा। दुबारा पकड़े जाने पर की सुसंगत धारा पर मामला दर्ज कर जेल भी भेजा जाएगा।

गोदाम का उपयोग पूर्ण रूप से नियंत्रण में होगा : विधायक

ठेठईटांगर : प्रखंड के ठेठईटांगर पंचायत में गुरुवार को 1000 मीट्रिक टन क्षमता के गोदाम का विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी ने शिलापट्ट का अनावरण करते हुए गोदाम निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। बताया गया कि गोादाम का निर्माण भवन प्रमण्डल सिमडेगा खाद्य सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग के द्वारा किया जा रहा है। मौके पर विधायक नमन बिक्सल कोंगाड़ी ने अपने संबोधन में कहा कि गोदाम का उपयोग पूर्ण रूप से नियंत्रण में होगा। जिसमें खाद्य सार्वजनिक वितरण के लिए प्रत्येक मौसम में वितरित किया जानेवाला अनाज तथा खाद का भंडारण किया जा सकेगा। विधायक ने आगे कहा कि गोदाम के अभाव में जैसे तैसे अनाज को रख दिया जाता था। जिस वजह से अनाज के सड़ने की शिकायतें आती थी सरकार और विभाग ने इन परेशानियों को दूर करने के लिए अब बड़े गोदाम में रखने का निर्णय लिया है। विधायक ने कहा कि गोदाम बन जाने से क्षेत्र के उपभोक्ता को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा अब इन्हें सही और अनाव मिलेगा। संसद प्रतिनिधि अमित डुंगडुंग ने कहा कि सरकार हित के लिए लगातार कार्य कर रही है। इस गोदाम का बन जाने से अनाज समय पर मिलेगा। अनाज सुरक्षित रहता है। मौके पर जिला विधायक प्रतिनिधि शमी आलम, रावेल लकड़ा प्रखण्ड प्रमुख बिपिन पंकज मिंज, प्रखंड अध्यक्ष अशफाक आलम, विधायक प्रतिनिधि मोहम्मद कारू, असित केरकेट्टा, रतन डुंगडुंग, प्रमोद सोरेंग, कय्यूम आलम, ब्रिजित डुंगडुंग, सुधीर डुंगडुंग,मोहम्मद राजा, आदि उपस्थित थे।

बारिश के मौसम में फुटपाथ दुकानदारों पर न हो सख्ती : चैंबर ऑफ कॉमर्स

आग्रहः बारिश के मौसम में फुटपाथ दुकानदारों पर न हो सख्ती

शहर में सरकारी भूमि से फुटपाथ दुकानदारों को हटाने के लिए चलाए जा रहे प्रशासनिक अभियान के बीच चैंबर ऑफ कॉमर्स ने मानवीय संवेदनाओं को ध्यान में रखते हुए राहत की मांग की है।

चैंबर ऑफ कॉमर्स के सचिव दीपक रिंकू ने प्रशासन से विनम्र आग्रह करते हुए कहा कि वर्तमान में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण छोटे फुटपाथ दुकानदार पहले से ही विषम परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। ऐसे नाजुक समय में यदि उनसे रोजी-रोटी का जरिया छीन लिया जाएगा, तो इन गरीब परिवारों के सामने जीवन-यापन और दो वक्त की रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा। सचिव दीपक रिंकू ने प्रशासनिक अधिकारियों से निवेदन किया कि वे मानवीय दृष्टिकोण और सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए इस अतिक्रमण हटाओ अभियान को कुछ दिनों के लिए स्थगित करने की कृपा करें, ताकि इन छोटे कारोबारियों को संभलने का अवसर मिल सके।इसके साथ ही उन्होंने फुटपाथ दुकानदारों से भी जिम्मेदारी भरा रुख अपनाने का आह्वान किया है। उन्होंने दुकानदारों से अपील की कि वे अपनी दुकानें इस प्रकार सुव्यवस्थित रूप से लगाएं जिससे आम राहगीरों को कोई असुविधा न हो और शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह सुगम बनी रहे। प्रशासनिक अभियान के बीच चैंबर ऑफ कॉमर्स ने मानवीय संवेदनाओं को ध्यान में रखते हुए राहत की मांग की है।

मलेरिया के 25 नए मरीज मिले

जमशेदपुर : जिले में गुरुवार को मलेरिया की जांच के दौरान 25 नए मरीज मिले। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, विभिन्न स्वास्थ्य केंद्र व अस्पतालों के माध्यम से 3756 लोगों की जांच की गई। इनमें 3318 आरडीटी और 438 स्लाइड जांच शामिल है। जांच रिपोर्ट में 20 मरीज ब्रेन मलेरिया मलेरिया और 5 सामान्य मलेरिया के हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पोटका में सबसे ज्यादा 11 मरीजों में ब्रेन मलेरिया के 7 हैं। जबकि, मुसाबनी 5, डुमरिया 5, धालभूमगढ़ 1, जुगसलाई 1, पटमदा 1 एवं सदर अस्पताल से 1 मरीज मिला है। हालांकि, मानगो और बिरसानगर में भी 30 लोगों की जांच हुई लेकिन किसी में मलेरिया की पुष्टि नहीं हुई है।

एनएच पर काम कर रहे दो मजदूरों को अपराधियों ने मारी गोली, रिम्स रेफर

माचिस मांगने को लेकर हुआ विवाद, बाइक सवार हमलावरों ने बरसाईं गोलियां; सतबरवा पुलिस जांच में जुटी

मेट्रो रेज संवाददाता

मेदिनीनगर : सतबरवा थाना क्षेत्र में गुरुवार की देर रात एनएच पर काम कर रहे दो मजदूरों को अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। दोनों घायलों को तत्काल इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया।

जानकारी के अनुसार, घटना रात करीब 11 बजे की है। घायल मजदूरों के मुताबिक, बाइक पर सवार कुछ अपराधी काम कर रहे मजदूरों के पास पहुंचे और उनसे माचिस मांगी। मजदूरों ने माचिस नहीं होने की बात कही। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और बाइक सवार अपराधियों ने दोनों मजदूरों पर गोली चला दी। गोली लगने से दोनों मजदूर गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर गिर पड़े।

घटना के बाद अपराधी बाइक से मौके से फरार हो गए। वहां मौजूद अन्य मजदूरों ने तत्काल दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया और पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही सतबरवा थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी। पुलिस अपराधियों की पहचान और घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी है। वारदात के बाद एनएच पर काम कर रहे मजदूरों में भय का माहौल है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में भी संदिग्धों की तलाश कर रही है।

सरस कुंज के 25 विशेष बच्चों ने भरी हेलीकॉप्टर से यादगार उड़ान

बिनय मिश्रा

देवघर, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सौरभ कुमार भुवानिया की संवेदनशील पहल से सरस कुंज के दिव्यांग एवं विशेष बच्चों के लिए गुरुवार का दिन यादगार बन गया। राजकीय श्रावणी मेले के दौरान संचालित विशेष हेलीकॉप्टर सेवा के तहत सरस कुंज के 25 बच्चों को निःशुल्क हवाई यात्रा कराई गई। उपायुक्त की पहल पर बच्चों को सभी सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए बारी-बारी से हेलीकॉप्टर की सवारी कराई गई। हेलीकॉप्टर के उड़ान भरते ही बच्चों के चेहरे खुशी और उत्साह से खिल उठे। आसमान से बाबाधाम और देवघर की मनोरम छटा देखना उनके लिए बेहद खास और अविस्मरणीय अनुभव रहा।

हवाई यात्रा के बाद बच्चों ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए इसे जीवन का यादगार पल बताया। सरस कुंज के संचालकों और बच्चों ने इस अनूठी पहल के लिए उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया के प्रति आभार व्यक्त किया।

ज्ञात हो कि झारखंड सरकार एवं नागर विमानन विभाग के सौजन्य से राजकीय श्रावणी मेले में विशेष हेलीकॉप्टर सेवा का संचालन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य वृद्ध, दिव्यांग श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों को सुलभ और सुरक्षित हवाई दर्शन की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ देवघर में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना है।

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, नगर आयुक्त सुलोचना मीना, अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार, अंचलाधिकारी देवघर अनिल कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी सहित संबंधित दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं सरस कुंज के बच्चे उपस्थित रहे।

दो माह में लंबित कांड 1500 से कम करें : एसएसपी

जमशेदपुर : एसएसपी डॉ. एहतेशाम वकारिब की अध्यक्षता में गुरुवार को सिटी और ग्रामीण एसपी की मौजूदगी में मासिक अपराध गोष्ठी की गई। इसमें शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के सभी डीएसपी और थाना प्रभारियों ने भाग लिया। बैठक में जिले में अपराध की स्थिति, लंबित कांड और अनुसंधान की प्रगति की समीक्षा की गई। एसएसपी ने लंबित कांडों के त्वरित, समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निष्पादन पर जोर देते हुए अगले दो माह में लंबित कांड की संख्या 1500 से कम करने का लक्ष्य निर्धारित किया। सभी थाना प्रभारियों को नियमित समीक्षा और प्रभावी मॉनिटरिंग का निर्देश दिया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांडों की संख्या कम करना ही उद्देश्य नहीं है, बल्कि प्रत्येक मामले का गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और विधि सम्मत निष्पादन प्राथमिकता है। बैठक में लंबित वारंट और कुर्की का शीघ्र निष्पादन, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी तथा आदतन अपराधियों की पहचान कर उनकी निगरानी और निरोधात्मक कार्रवाई की समीक्षा की गई। अवैध हथियार, आर्म्स एक्ट, चेन स्नैचिंग, चोरी और संपत्ति संबंधी अपराधों पर रोकथाम के लिए प्रभावी कार्रवाई का निर्देश दिया गया। महिलाओं के विरुद्ध अपराध में त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई के साथ अवैध मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री व तस्करी के खिलाफ लगातार छापेमारी करने को कहा गया। साइबर अपराध की रोकथाम और तकनीकी संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल पर भी जोर दिया गया। इसके अलावा पासपोर्ट व चरित्र सत्यापन के लंबित मामलों के समयबद्ध निष्पादन और तकनीकी प्लेटफॉर्म के प्रभावी उपयोग की समीक्षा की गई।

पेलावल पुलिस ने दो वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा न्यायिक हिरासत

हजारीबाग : कटकमसांडी पेलावल थाना कांड संख्या 05/23 केवारंटी समीर खान उम्र 21 वर्ष पिता कलीमुद्दीन खान वर्तमान पता रोचाप थाना पतरातू जिला रामगढ़ और स्थाई पता साकिन रोमी थाना कटकमसांडी पेलावल जिला हजारीबाग को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत भेज दिया। वहीं दुसरा मामला कटकमसांडी पेलावल थाना कांड संख्या 102 /26 के प्राथमिकी अभियुक्त रिजवान उर्फ सज्जू खान उम्र 36 वर्ष पिता साहबान खान साकिन गदोखर थाना कटकमसांडी जिला हजारीबाग को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत भेज दिया ।

नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय में बीबीए बीसीए का प्रवेशोन्मुखी कार्यक्रम संपन्न

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय, मेदिनीनगर के अंतर्गत संचालित व्यावसायिक अध्ययन संस्थान में शुक्रवार, 21 अगस्त 2026 को व्यावसायिक पाठ्यक्रम बीबीए, बीसीए एवं जैव-प्रौद्योगिकी सत्र 2026-29 में नामांकित विद्यार्थियों के लिए प्रवेशोन्मुखी कक्षा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. दिनेश कुमार सिंह, कुलसचिव डॉ. नफीस अहमद तथा छात्र कल्याण अधिष्ठाता सह निदेशक, व्यावसायिक अध्ययन संस्थान डॉ. एस.के. पांडेय उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों के स्वागत से हुई। निदेशक डॉ. एस.के. पांडेय ने कुलपति प्रो. डॉ. दिनेश कुमार सिंह को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। वहीं एमबीए के प्राध्यापक डॉ. सुमित मिश्रा ने कुलसचिव डॉ. नफीस अहमद तथा बीबीए के प्राध्यापक करण कुमार थापा ने छात्र कल्याण अधिष्ठाता सह निदेशक डॉ. एस.के. पांडेय का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। प्रवेशोन्मुखी कार्यक्रम में नए सत्र में नामांकित बीबीए, बीसीए एवं जैव-प्रौद्योगिकी के सैकड़ों विद्यार्थी शामिल हुए। विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम, अध्ययन व्यवस्था, रोजगार के अवसर, छात्रवृत्ति सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की विस्तृत जानकारी दी गई।

छात्र कल्याण अधिष्ठाता सह निदेशक डॉ. एस.के. पांडेय ने विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम की रूपरेखा, रोजगार के अवसर तथा छात्रवृत्ति से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित होकर अध्ययन का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। कुलसचिव डॉ. नफीस अहमद ने कहा कि व्यावसायिक अध्ययन संस्थान की कक्षाएं आधुनिक सुविधाओं से युक्त हैं। यहां स्मार्ट कक्षाओं एवं आधुनिक डिजिटल उपकरणों की व्यवस्था की गई है, जिससे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण अध्ययन में काफी लाभ मिलेगा। उन्होंने विद्यार्थियों से कक्षाओं में शत-प्रतिशत उपस्थिति दर्ज कराने की अपील की।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. डॉ. दिनेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति की सराहना की। उन्होंने कहा कि व्यावसायिक एवं पेशेवर पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों का भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने बताया कि संस्थान के विद्यार्थियों को परिसर में वाई-फाई के साथ कंप्यूटर प्रयोगशाला की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही, चालू सत्र से विद्यार्थियों को रोजगार दिलाने के लिए नियोजन की सुविधा भी उपलब्ध कराने की दिशा में पहल की जाएगी।

कुलपति ने कहा कि इन सुविधाओं से विद्यार्थियों को बेहतर अवसर प्राप्त होंगे और वे राज्य, देश तथा विदेश में विश्वविद्यालय एवं अपने विभाग का नाम रोशन कर सकेंगे। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के आयोजन में बीबीए के प्राध्यापक करण कुमार थापा एवं शशांक प्रिय, बीसीए के प्राध्यापक इकराम अंसारी, प्रेम शंकर पाठक एवं प्रकाश कुमार सिंह तथा जैव-प्रौद्योगिकी के प्राध्यापक मिथिलेश कुमार पांडेय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में एमबीए की प्राध्यापिका श्रीमती प्रतिभा तथा बी.एड. विभागाध्यक्ष डॉ. मुकेश कुमार भी उपस्थित रहे। सहायक के रूप में विवेक कुमार जायसवाल एवं रोहन राज सिंह सहित संस्थान के सभी कर्मी मौजूद रहे।कार्यक्रम का मंच संचालन एमबीए के प्राध्यापक डॉ. सुमित मिश्रा ने किया, जबकि अंत में एमसीए के प्राध्यापक अभिषेक कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

प्रखंड मुख्यालय का रास्ता बना कीचड़ का दलदल, ग्रामीण परेशान

संवाददाता

ठेठईटांगर : प्रखंड मुख्यालय क्षेत्र के बाजारटांड़ बस्ती से होकर प्रखंड अस्पताल, थाना, प्रखंड कार्यालय, बैंक और प्रखंड मैदान जाने वाला महत्वपूर्ण रास्ता इन दिनों अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। बारिश के बाद इस रास्ते का करीब 30 से 40 फीट हिस्सा पूरी तरह कीचड़ और गहरे गड्ढों में तब्दील हो गया है। सड़क की तस्वीरें इसकी बदहाल स्थिति को साफ बयां कर रही हैं। दोनों ओर पीसीसी सड़क होने के बावजूद बीच का यह हिस्सा ग्रामीणों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बना हुआ है।

बारिश ने बढ़ाई परेशानी, रास्ते पर चलना हुआ मुश्किल

बाजारटांड़ बस्ती से प्रखंड मुख्यालय की ओर जाने वाले इस रास्ते पर लाल मिट्टी होने के कारण बारिश होते ही स्थिति बेहद खराब हो जाती है। सड़क पर जगह-जगह पानी जमा होने के साथ मिट्टी धंसकर दलदल का रूप ले लेती है। वाहनों के लगातार आवागमन से रास्ते में गहरे पहिए के निशान और गड्ढे बन गए हैं। कई जगहों पर पानी और कीचड़ के कारण यह अंदाजा लगाना भी मुश्किल हो जाता है कि सड़क कितनी गहरी है।

पैदल राहगीरों को कीचड़ से होकर गुजरना पड़ रहा है। खासकर महिलाएं, बुजुर्ग, बच्चे और अस्पताल जाने वाले मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के समय इस रास्ते से गुजरना लोगों के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है।

पैर फिसलने और वाहन दुर्घटना का बना खतरा

सड़क पर फैले कीचड़ के कारण पैदल चलने वालों के पैर फिसलने का खतरा बना हुआ है। वहीं दोपहिया वाहन चालकों के लिए स्थिति और भी जोखिम भरी है। गड्ढों में पानी भरा रहने के कारण वाहन चालक गहराई का सही अंदाजा नहीं लगा पाते, जिससे वाहन के फिसलने या अनियंत्रित होने की आशंका बनी रहती है। यदि समय रहते सड़क को दुरुस्त नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में किसी बड़ी दुर्घटना से इनकार नहीं किया जा सकता।

दोनों ओर पीसीसी, फिर भी बीच का हिस्सा बदहाल

ग्रामीणों की सबसे बड़ी नाराजगी इस बात को लेकर है कि रास्ते के दोनों ओर पीसीसी सड़क बनी हुई है, लेकिन बीच का लगभग 30 से 40 फीट हिस्सा अब भी बदहाल है। लोगों का कहना है कि यदि इस छोटे से हिस्से को भी दुरुस्त कर दिया जाए तो बाजारटांड़ बस्ती से प्रखंड मुख्यालय की ओर आने-जाने वाले लोगों को काफी राहत मिल सकती है।

यह रास्ता केवल बस्ती के लोगों के आवागमन का मार्ग नहीं है, बल्कि इसी रास्ते से होकर लोग प्रखंड अस्पताल, थाना, प्रखंड कार्यालय, बैंक और प्रखंड मैदान तक पहुंचते हैं। ऐसे में इसकी स्थिति का सीधा असर आम लोगों के दैनिक आवागमन पर पड़ रहा है।

प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से तत्काल पहल की मांग

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की इस समस्या की जानकारी होने के बावजूद अब तक प्रखंड प्रशासन अथवा संबंधित जनप्रतिनिधियों की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की गई है। ग्रामीणों ने मांग की है कि बरसात को देखते हुए तत्काल इस हिस्से में मिट्टी-मोरम अथवा गिट्टी डालकर रास्ते को समतल कराया जाए और स्थायी समाधान के लिए पीसीसी सड़क का निर्माण कराया जाए।

ग्रामीणों का कहना है कि प्रखंड मुख्यालय से जुड़े इस महत्वपूर्ण मार्ग की ऐसी स्थिति विकास कार्यों पर भी सवाल खड़े करती है। लोगों ने प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द स्थल का निरीक्षण कराने और समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है, ताकि बारिश के मौसम में आम लोगों को आवागमन की परेशानी से राहत मिल सके।